www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 मतदाता सूची के सत्यापन पर व्यर्थ का शोर

अमेरिका ने चीन पर हमला किया तो कौन साथ देगा 06

वर्ष :17 | अंक :103 | प्रयागराज , सोमवार, 14 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय महिला आयोग ने ओडिशा के डीजीपी से छात्रा के आत्मदाह मामले में रिपोर्ट मांगी

ओडिशा के बालासोर में यौन उत्पीड़न की कथित घटना के बाद कॉलेज की एक छात्रा द्वारा आत्मदाह करने की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने रविवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। बालासोर में एक कॉलेज की छात्रा द्वारा आत्मदाह को बेहद परेशान करने वाली घटना बताते हुए, आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने ओडिशा के डीजीपी से निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से जांच सुनिश्चित करने को कहा है। आयोग ने ओडिशा पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पीड़िता को सभी आवश्यक चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता निःशुल्क उपलब्ध कराने को भी कहा। आयोग ने कहा, कार्रवाई रिपोर्ट तीन दिन के भीतर आयोग के समक्ष प्रस्तुत की जानी चाहिए। इसने कहा कि बालासोर के एक सरकारी कॉलेज की 20 वर्षीय छात्रा ने विभागाध्यक्ष द्वारा यौन उत्पीड़न और शैक्षणिक धमकियों का सामना करने के बाद कथित तौर पर खुद को आग लगा ली। आयोग ने कहा कि 90 प्रतिशत तक झुलसी छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मध्यप्रदेश के मुरैना में घड़ियालों की तस्करी के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

मध्यप्रदेश के मुरैना में घड़ियालों की कथित तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में जौरा कस्बे में आरोपियों के पास से घड़ियालों के 30 और कछुए के तीन बच्चे बरामद किए गए। जौरा के वन विभाग के उप रेंजर विनोद उपाध्याय ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की कार में पान मसाले के झोला में रखकर घड़ियाल एवं कछुए के बच्चों को चम्बल नदी से निकाल कर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस के सहयोग से की गई कार्रवाई में कार से घड़ियालों के 30 और कछुए के तीन बच्चे मिले। जौरा के उपविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) नितिन एस. बघेल ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और फिर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी घड़ियालों और कछुए के बच्चों को चम्बल नदी के बटेश्वरा घाट से निकाल कर लाए थे।

बिहार की तरह पूरे देश में वोटर लिस्ट की होगी जांची

चुनाव आयोग की तैयारी पूरी; सुप्रीम कोर्ट में 28 जुलाई की सुनवाई के बाद फैसला होगा

जांची

ईसी अफसरों के मुताबिक "1 अगस्त के बाद ऐसे लोगों की जांच होगी। 30 सितंबर को पब्लिश होने वाली आखिरी मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे।" वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम 24 जून को शुरू हुआ था और 25 जुलाई, 2025 तक गणना फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख है। मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

एजेंसी

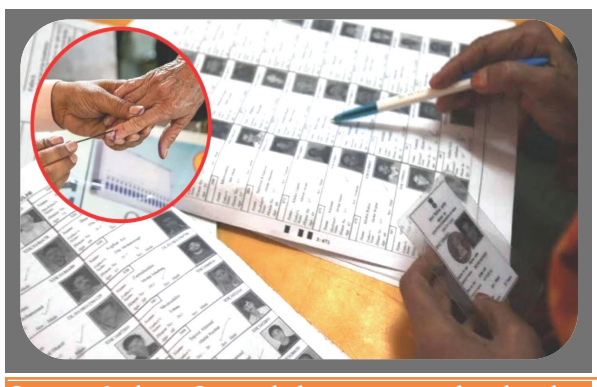

नई दिल्ली, चुनाव आयोग बिहार के बाद अब पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराने जा रहा है। इसके तहत वोटर लिस्ट की गहनता से जांच की जाती है और अपडेट किया जाता है। अगस्त से इसकी शुरूआत हो सकती है। ईसी ने सभी राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी एक्टिव कर दी है। आयोग का ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 जुलाई को बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को जारी रखने की परमिशन पर आया। कोर्ट ने इसे संवैधानिक बताया था। हालांकि कई विपक्षी दल और लोग इस रिवीजन के खिलाफ हैं। ईसी में चुनौती भी दी है। दावा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के चलते योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। चुनाव आयोग के अधिकारी के मुताबिक, इलेक्शन अथॉरिटी 28 जुलाई के बाद रकफ पर अंतिम फैसला लेगी क्योंकि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है। वहीं, कुछ राज्यों के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने अपने राज्यों में पिछली के बाद की पब्लिश वोटर लिस्ट जारी करना शुरू भी कर दिया है।

आरजेडी सांसद बोले- अगर विदेशी हैं तो जिम्मेदार कौन

बिहार में विदेशियों के होने के चुनाव आयोग के दावे पर राजद सांसद मनोज झा ने कहा, ये सूत्र कौन है, ये मुझे समझ नहीं आता। अगर बिहार में एक भी विदेशी है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? ये सवाल देश के गृह मंत्री से होना चाहिए।"मनोज झा ने इसे प्लांटेड स्टोरी बताते हुए कहा, 'इसके जरिए नफरत के बीज बोए जा रहे हैं। इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं।'

बिहार की वोटर लिस्ट में नेपाल-बांग्लादेश के लोग

नई दिल्ली/पटना, बिहार में वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम जारी है। इस दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों का दावा है कि बिहार में बड़ी तादाद में विदेशी हैं।चुनाव आयोग अफसरों ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'हमने मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए घर-घर जाकर दौरे किए। इस दौरान हमें नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोग बड़ी संख्या में मिले हैं।"चुनाव आयोग अफसरों के मुताबिक "1 अगस्त के बाद ऐसे लोगों की जांच होगी। 30 सितंबर को पब्लिश होने वाली आखिरी मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे।"वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम 24 जून को शुरू हुआ था और 25 जुलाई, 2025 तक गणना फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख है। मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है।इधर, चुनाव आयोग के खुलासे पर पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल और राजद सांसद मनोज झा ने सवाल उठाए हैं।

कपिल सिब्बल बोले- चुनाव आयोग केंद्र की कठपुतली

दिल्ली सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की वोटर लिस्ट उपलब्ध है, जब दिल्ली में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हुआ था। उत्तराखंड में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन 2006 में हुआ था। तब की वोटर लिस्ट राज्य की सीईओ वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में आखिरी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कट ऑफ तारीख के तौर पर काम करेगा, क्योंकि बिहार की 2003 की वोटर लिस्ट को चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लिए यूज कर रहा है।

दिल्ली सीईओ वेबसाइट की 2008 की वोटर लिस्ट उपलब्ध

संसदीय कार्यकाल के लिए सभी को शुभकामनाएं

पीएम मोदी ने की राज्यसभा के लिए मनोनीत सदस्यों की प्रशंसा

"सी सदानंदन मास्टर की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि उनका जीवन साहस और अन्याय के सामने न झुकने की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, हिंसा और धमकियां उनके राष्ट्र विकास के जज्बे को रोक नहीं सकीं। एक शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनके प्रयास प्रशंसनीय हैं। युवा सशक्तीकरण में उनकी गहरी आस्था है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर उन्हें बधाई और सांसद के रूप में उनकी भूमिका के लिए शुभकामनाएं।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, 26/11 मुंबई आतंकी हमले के विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम, केरल से भाजपा नेता सी सदानंदन मास्टर और इतिहासकार मीनाक्षी जैन के योगदान की प्रशंसा की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार देर रात एक अधिसूचना जारी कर बताया कि राष्ट्रपति ने इन चार व्यक्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्री उज्ज्वल निकम का कानूनी क्षेत्र और संविधान के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। वह न केवल एक कुशल वकील रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय के लिए भी अग्रणी रहे हैं। उन्होंने कहा कि निकम ने अपने पूरे करियर में संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति द्वारा उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत करना प्रसन्नता की बात है। उनकी संसदीय यात्रा के लिए शुभकामनाएं। श्रृंगला की प्रशंसा करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने एक राजनयिक, बुद्धिजीवी और रणनीतिक विचारक के रूप में उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने कहा, उन्होंने भारत की विदेश नीति और जी-20 की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। उनका अनूठा दृष्टिकोण संसदीय कार्यवाही को समृद्ध करेगा।

राजस्थान के अजमेर स्टेशन में पानी भरा

यूपी के झांसी में 17 बच्चों का रेस्क्यू, वाराणसी में गंगा उफान पर; मध्य प्रदेश के कई गांवों में बाढ़

"यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज बारिश जारी है। ललितपुर में माताटीला बांध के 20, गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए। वाराणसी में तेज बारिश के कारण गंगा नदी हर घंटे 2 सेंटीमीटर बढ़ रही है। घाट किनारे के कई मंदिर पानी में डूबे हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। राजस्थान में के भीलवाड़ा में दो चचेरे भाई नाले में डूब गए। कोटा, बूंदी, झालावाड़, टोंक, भीलवाड़ा, अजमेर, जोधपुर, बांसवाड़ा में तेज कई नदियां उफान पर हैं। अजमेर रेलवे स्टेशन में पानी भर गया। झारखंड के सरायकेला-खरसावां और लोहरदगा जिलों में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हुई है। मानसून की बारिश के कारण मध्य प्रदेश के 7 जिले रीवा, सतना, मैहर, शिवपुरी, खजुराहो और छतरपुर बहुत प्रभावित हैं। सैकड़ों लोगों को रेस्क्यू किया गया है। छतरपुर में धसान नदी में पिकअप वाहन बह गया। दो लोगों को वाहन का शीशा तोड़कर बाहर निकला, एक की मौके पर ही मौत हो गई। वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पूरी तरह डूबा है, जिसकी वजह से अंतिम संस्कार छत पर किया जा रहा है। राज्य में पिछले 24 घंटे की बात करें तो बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हुई।

आज कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी है। 21 राज्यों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी है। उत्तराखंड में बिजली गिरने के साथ-साथ अचानक बाढ़ आने और लैंडस्लाइड का भी अलर्ट है

विभागाध्यक्ष के यौन उत्पीड़न से तंग छात्रा ने खुद को लगाई आग

टीएमसी ने बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

रिपोर्ट्स के अनुसार, बालासोर के एफएम स्वायत्त कॉलेज की द्वितीय वर्ष की इंटीग्रेटेड बी.एड. छात्रा ने विभागाध्यक्ष और सहायक प्रोफेसर समीर कुमार साहू के उत्पीड़न से तंग आकर खुद को आग लगा ली। वह 90 प्रतिशत से अधिक जल चुकी है और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उसे बचाने की कोशिश करने वाला एक साथी छात्र भी 70 प्रतिशत तक जल गया है। दोनों का इलाज एम्स भुवनेश्वर में चल रहा है।

एजेंसी

ओडिशा सेक्सुअल हैरेसमेंट केस, पीड़ित 95% झुलसी:वेंटिलेटर पर, मुख्यमंत्री बोले- जरूरत पड़ी तो एयरलिफ्ट भी करेंगे

ओडिशा के बालासोर जिले में यौन उत्पीड़न से परेशान एक कॉलेज छात्रा द्वारा खुद को आग लगाने की दिल दहला देने वाली घटना ने राज्य में हड़कंप मचा दिया है। छात्रा ने अपने विभागाध्यक्ष पर बार-बार यौन संबंध बनाने की मांग करने और इनकार करने पर उसका भविष्य बर्बाद करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। बालासोर में कॉलेज छात्रा के आत्मदाह के प्रयास के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। कॉलेज प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया गया है, जबकि आरोपी विभागाध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है।

छात्रा की हालत गंभीर

रिपोर्ट्स के अनुसार, बालासोर के एफएम स्वायत्त कॉलेज की द्वितीय वर्ष की इंटीग्रेटेड बी.एड. छात्रा ने विभागाध्यक्ष और सहायक प्रोफेसर समीर कुमार साहू के उत्पीड़न से तंग आकर खुद को आग लगा ली। वह 90 प्रतिशत से अधिक जल चुकी है और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उसे बचाने की कोशिश करने वाला एक साथी छात्र भी 70 प्रतिशत तक जल गया है। दोनों का इलाज एम्स भुवनेश्वर में चल रहा है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने किया दौरा

घटना की गंभीरता को देखते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने एम्स भुवनेश्वर पहुंचकर छात्रा और उसके माता-पिता से मुलाकात की।

'ऐसे तो बिहार में 790000 मतदाताओं का नाम कट जाएगा'

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर भड़के तेजस्वी यादव

एजेंसी

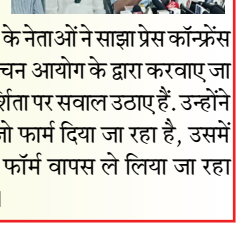

पटनाः बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आज इंडिया गठबंधन यानी महागठबंधन के सभी घटक दलों के नेताओं ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की. पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी ने निर्वाचन आयोग के द्वारा करवाए जा रहे स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि बीएलओ के माध्यम से लोगों को जो फार्म दिया जा रहा है, उसमें दस्तावेज के बिना सिर्फ दस्तखत करवाकर फॉर्म वापस ले लिया जा रहा है.तेजस्वी यादव का चुनाव आयोग पर हमला।

तमिलनाडु में मालगाड़ी पटरी से उतरी, 18 बोगियां जली

52 बोगियों में डीजल था, 40 अलग की गईं; तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन का इलाका खाली कराया

रेलवे का बयान- तीसरे डिब्बे में सबसे पहले लगी थी आग

रेलवे ने एक बयान में बताया कि मालगाड़ी के तीसरे डिब्बे में आग लगने की खबर मिलते ही, लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए। तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने ओवरहेड (ओएचई) बिजली आपूर्ति बंद रोक दी। हालांकि, जब तक ट्रेन रोकी गई, आग 19वें डिब्बे तक फैल गई थी।

एजेंसी

तिरुवल्लूर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके बाद उसमें आग लग गई। शुरूआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में यह 18 बोगियां आग की चपेट में आ गईं। घटना रविवार सुबह 5.30 बजे हुई। मालगाड़ी में 52 बोगियां थीं।जिला कलेक्टर एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। वहीं, रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। फायर ब्रिगेड की कई टीमें बुलाई गईं। दोपहर तक मिली जानकारी के मुताबिक 10 गाड़ियों की मदद से आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इधर, रेलवे और पुलिस घटना वाली जगह से 100 मीटर दूर पटरी पर मिली दरार की भी जांच कर रहे हैं।

इस हादसे के कारण चेन्नई को बैंगलोर, केरल और रेणुगुंटा/तिरुपति से जोड़ने वाले चेन्नई अरकोणम सेक्शन में रेल परिचालन स्थगित करना पड़ा।

बिहार में बिगड़ी कानून-व्यवस्था, 24 घंटे में चौथी हत्या से हड़कंप

पटना में वकील को मारी गोली

पिछले 24 घंटों के भीतर राज्य में गोलीबारी की चौथी घटना सामने आई है। पटना पूर्वी पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि जितेंद्र कुमार महतो गुरुवार को चाय पीकर लौट रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी। कुमार के अनुसार, "अपराधियों ने जितेंद्र महतो नाम के व्यक्ति को गोली मार दी। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी मौत हो गई।"

एजेंसी

बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। पिछले 24 घंटों के भीतर राज्य में गोलीबारी की चौथी घटना सामने आई है। गुरुवार को पटना के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में जितेंद्र कुमार महतो (58 वर्षीय) नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

चाय पीकर लौट रहे वकील को मारी गोली

पटना पूर्वी पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि जितेंद्र कुमार महतो गुरुवार को चाय पीकर लौट रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी।

वार नेताओं का केंद्र सरकार पर तीखा वार

नजरबंदी और प्रतिबंध पर राजनीतिक दलों में उबाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में 13 जुलाई को मनाए जाने वाले कश्मीर शहीद दिवस पर इस साल भी विवाद गहरा गया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रशासन ने इस दिन किसी भी तरह के कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी, जिसके चलते उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार के कई मंत्रियों, विधायकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं को या तो नजरबंद कर दिया गया या हिरासत में ले लिया गया। यह दिन 1931 में हुए नरसंहार की बरसी के तौर पर मनाया जाता है, जब ब्रिटिश शासन के अधीन तत्कालीन जम्मू-कश्मीर रियासत के शासक हरि सिंह के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोग मारे गए थे। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने श्रीनगर के कई इलाकों में कड़े प्रतिबंध लगाए और शहीदों के कब्रिस्तान की ओर जाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उमर अब्दुल्ला ने इन प्रतिबंधों की कड़ी निंदा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, '13 जुलाई का नरसंहार हमारा जलियांवाला बाग है। जिन लोगों ने अपनी जान कुर्बान की, उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ ऐसा किया। कश्मीर पर ब्रिटिश हुकूमत का शासन था। यह कितनी शर्म की बात है कि ब्रिटिश शासन के हर रूप के खिलाफ लड़ने वाले सच्चे नायकों को आज सिर्फ इसलिए खलनायक के रूप में पेश किया जा रहा है क्योंकि वे मुसलमान थे। आज हमें उनकी कब्रों पर जाने का मौका भले ही न मिले, लेकिन हम उनके बलिदान को नहीं भूलेंगे।' पीडीपी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिल की दूरी' वाले बयान से जोड़ा। उन्होंने कहा, 'जब आप शहीदों के कब्रिस्तान की घेराबंदी करते हैं, लोगों को मजार-ए-शुहादा जाने से रोकने के लिए उनके घरों में बंद कर देते हैं, तो यह बहुत कुछ कहता है। 13 जुलाई हमारे उन शहीदों को याद करता है जो देश भर के अनगिनत अन्य लोगों की तरह, अत्याचार के खिलाफ उठ खड़े हुए।

वे हमेशा हमारे नायक रहेंगे।' जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन ने भी अपनी नजरबंदी की जानकारी देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'मुझे नहीं पता कि केंद्र सरकार कश्मीर के लोगों के लिए पवित्र चीजों को फिर से परिभाषित करने पर इतनी उत्सुक क्यों है। 13 जुलाई को दिए गए बलिदान हम सभी के लिए पवित्र हैं।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि खून से सने इतिहास कभी मिटते नहीं।

"उमर अब्दुल्ला ने इन प्रतिबंधों की कड़ी निंदा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, "13 जुलाई का नरसंहार हमारा जलियांवाला बाग है। यह कितनी शर्म की बात है कि ब्रिटिश शासन के हर रूप के खिलाफ लड़ने वाले सच्चे नायकों को आज सिर्फ इसलिए खलनायक के रूप में पेश किया जा रहा है क्योंकि वे मुसलमान थे। आज हमें उनकी कब्रों पर जाने का मौका भले ही न मिले, लेकिन हम उनके बलिदान को नहीं भूलेंगे।'

एसओ2 उत्सर्जन नियमों में छूट देने का सरकार का फैसला गलत आधारों पर आधारित है: जयराम रमेश

रमेश ने कहा कि सल्फर डाइऑक्साइड (एसओ2) जन स्वास्थ्य के लिए सीधा खतरा है और यह बादलों के बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित करती है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा कहा जाने वाला मानसून प्रभावित होता है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार की ओर से लगभग 78 प्रतिशत कोयला आधारित संयंत्रों को प्रमुख प्रदूषण रोधी प्रणालियां लगाने से छूट दिए जाने पर रविवार को कहा कि पर्यावरण मंत्रालय की इस नीति के पीछे की दलील गलत आधार पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) में संशोधन के अभाव में सरकार की नीति बनाने की प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण रहेगी। केंद्र सरकार ने एक बार फिर कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों के लिए सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन मानदंडों का अनुपालन करने की समय सीमा बढ़ा दी है और अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों या दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों से दूर स्थित संयंत्रों को इससे पूरी तरह छूट दे दी है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी सरकार ने पहले ही भारत को सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन में वैश्विक नेता बनाने का गौरव हासिल कर लिया है। अब हमें पता चला है कि पर्यावरण मंत्रालय ने भारत के 78-89% ताप विद्युत संयंत्रों को सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कटौती करने वाले फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम लगाने से छूट दे दी है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि एफजीडी सिस्टम लगाने की समय सीमा पहले 2017 निर्धारित की गई थी, जिसे कई बार आगे बढ़ाया जा चुका है।

सम्पादकीय

सवाल खड़े करने वाली जांच, अहमदाबाद विमान हादसे की रिपोर्ट पर उठ रहे सवाल

अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रपट इसलिए विश्वसनीय नहीं जान पड़ती क्योंकि उसके जरिये यह बताने की कोशिश की गई है कि कहीं न कहीं पायलटों से गलती हुई। आखिर इतने अनुभवी पायलट फ्यूल का स्विच आफ करने की गंभीर गलती कैसे कर सकते हैं? इस गलती को रोकने के तो कई उपाय होते हैं।\ अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रपट इस दिल दहलाने वाली हवाई दुर्घटना के संभावित कारणों के जवाब कम दे रही है, सवाल अधिक खड़े कर रही है। समझना कठिन है कि इस प्रारंभिक जांच रपट को सुविचारित तरीके से क्यों नहीं जारी किया गया? किसी रपट को रात ढाई-तीन बजे जारी करने का क्या औचित्य\ प्रश्न यह भी है कि इस अधकचरी सी रपट को जारी करना कितना आवश्यक था। यदि किसी कारण आवश्यक भी था तो यह क्यों नहीं स्पष्ट किया गया कि इसके आधार पर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जाना चाहिए और किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने के लिए अन्य जांच रपटों की प्रतीक्षा की जानी चाहिए?\ इतने बड़े विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रपट पर कामचलाऊ रवैया समझ से परे है। इसके बाद भी परे है कि सरकार पहले दिन से यह प्रकट कर रही थी कि वह इस विमान दुर्घटना के कारणों को सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिबद्धता जताने का यह कोई तरीका नहीं होता।अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रपट इसलिए विश्वसनीय नहीं जान पड़ती, क्योंकि उसके जरिये यह बताने की कोशिश की गई है कि कहीं न कहीं पायलटों से गलती हुई। आखिर इतने अनुभवी पायलट फ्यूल का स्विच आफ करने की गंभीर गलती कैसे कर सकते हैं? इस गलती को रोकने के तो कई उपाय होते हैं। पायलटों की बातचीत के विवरण से भी यही संकेत मिलता है कि 250 से अधिक लोगों की जान लेने वाले विमान के इंजन संभवतः किसी तकनीकी खामी से अचानक बंद हो गए।कहीं ऐसा तो नहीं कि विमान हादसे की प्रारंभिक जांच करने वाले विमान निमार्ता कंपनी बोइंग को संदेह के दायरे से बाहर रखना चाहते थे? इस अंदेशे का एक कारण यह है कि अतीत में बोइंग पर ऐसे आरोप लग चुके हैं कि उसने अपने कई विमानों के निर्माण के दौरान उनके सुरक्षित संचालन उपायों की अनदेखी करना पसंद किया। ऐसे आरोप खुद इस कंपनी के कर्मचारियों ने लगाए थे। अच्छा यह हो कि भारत सरकार अहमदाबाद विमान हादसे के मूल कारणों की तह तक जाने के हर संभव उपाय करे।उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस विमान दुर्घटना में जाने-अनजाने जिसने भी गलती की हो, उसका नाम सामने आए। कोई बचने-छिपने न पाए। यह ठीक नहीं कि विदेशी मीडिया का एक हिस्सा अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रपट के शरारत भरे निष्कर्ष निकाल रहा है।

आज का विचार

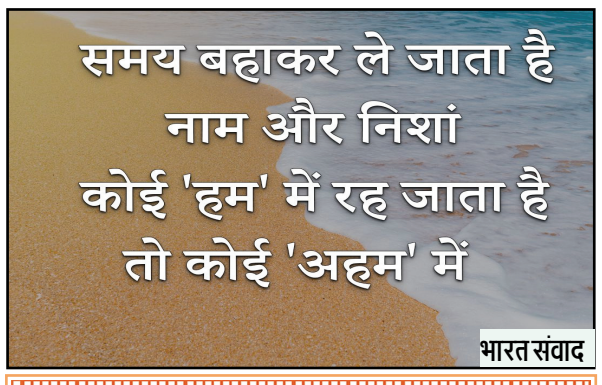

राशिफल

मेष राशि :करियरः माता-पिता के आशीर्वाद से आज काम में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपके व्यवहार और काम का सकारात्मक असर दूसरों पर पड़ेगा. बिजनेसः अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो बिजनेस से जुड़े अनुभवी लोगों से सलाह जरूर लें.धनः पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन-देन आज फायदेमंद साबित हो सकता है

वृषभ राशिः करियरः आज दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, धैर्य बनाकर रख बिजनेसः व्यवसायिक गतिविधियां थोड़ी धीमी रहेंगी, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए संयम ही उचित रहेगा धनः घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ा कोई सामान खरीदने का योग बन रहा है।

मिथुन राशि : करियरः नई नौकरी के योग बन रहे हैं. किसी उलझन का समाधान होगा जिससे मन हल्का रहेगा. बिजनेसः आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान दें. खर्चों को सीमित रखें और अनावश्यक मामलों में हस्तक्षेप से बचें.धनः किसी दोस्त की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है. लेन-देन में सावधानी रखें.शिक्षाः पढ़ाई में मन लगेगा.

कर्क राशि : करियरः दिनचर्या व्यवस्थित रखने से कार्य समय पर पूरे होंगे. काम पर ध्यान देना भविष्य में फायदेमंद रहेगा. बिजनेसः बिजनेसमैन किसी कंपनी के साथ साझेदारी कर सकते हैं. नई योजनाओं पर काम शुरू होगा.

सिंह राशि :करियरः वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा. ऑफिस में प्रेजेंटेशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है. बिजनेसः नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है. राजनीतिक संबंध भी लाभ देंगे.धनः रुके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं.

कन्या राशिःकरियरः ऑफिस में काम का दबाव रहेगा. सहयोगियों से तालमेल बनाए रखें.बिजनेसः व्यावसायिक सफलता से माता-पिता प्रसन्न होंगे.धनः फिजूलखर्ची से बचें. अपनी जरूरतों को प्राथमिकता दें.\ शिक्षाः प्रोजेक्ट पूरा करने में भाई-बहन या टीचर की मदद लें. लव/पारिवारिकः संदेह से बचें. परिवार में सामंजस्य बनाए रखना जरूरी है.उपायः गाय को हरी घास खिलाएं.

तुला राशि : करियरः दिन तरक्की देने वाला रहेगा. कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी. बिजनेसः अटका पैसा वापस मिलने की संभावना है.धनः सुख-सुविधा की वस्तुओं की खरीदारी में खर्च होगा. शिक्षाः बच्चों को आपकी सलाह से लाभ मिलेगा.

वृश्चिक राशि : करियरः काम समय पर पूरे होंगे. समाज में आपकी छवि सुधरेगी.बिजनेसः आज व्यवसाय में लाभ की स्थिति बन सकती है. धनः परिवार पर धन खर्च होगा.शिक्षाः शिक्षकों का दिन व्यस्त रहेगा.

धनु राशि : करियरः जीवनसाथी के साथ बाहर जाने का मौका मिलेगा. किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन लाभ देगा. बिजनेसः कोई नई योजना शुरू हो सकती है. धनः रुकी हुई आर्थिक समस्या सुलझ सकती है.

मकर राशि:करियरः परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी. सकारात्मक सोच से काम सफल होंगे.बिजनेसः प्रॉपर्टी डीलिंग से लाभ मिल सकता है.धनः धन के मामलों में सजग रहें. शिक्षाः विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे.\ लव/पारिवारिकः परिवार का सहयोग मिलेगा. महिलाएं घर के कामों में व्यस्त रहेंगी.

कुंभ राशि : करियरः अतिरिक्त जिम्मेदारियां पूरी होंगी. समाज में पहचान बढ़ेगी.बिजनेसः फैशन डिजाइनिंग से लाभ हो सकता है.धनः आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी. शिक्षाः विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन लगेगा.\

मीन राशि:करियरः कार्यक्षेत्र में तालमेल अच्छा रहेगा. मार्केटिंग में सफलता मिलेगी.

बिजनेसः बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ की सलाह लें. धनः धन से जुड़ा मामला सुलझ सकता है.शिक्षाः छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा. लव/पारिवारिकः लवमेट के लिए दिन शानदार रहेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मतदाता सूची के सत्यापन पर व्यर्थ का शोर

> कांग्रेस और अन्य दलों ने मतदाता सूची के सत्यापन को लेकर चुनाव आयोग पर जो तमाम आरोप लगाए उनसे यही अधिक साफ हुआ कि वे पुरानी मतदाता सूचियों के सहारे चुनाव कराना चाह रहे हैं और यह मानकर चल रहे कि मतदाता सूची के सत्यापन से कुछ ऐसे लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कट सकते हैं जो अब मतदाता नहीं हैं और इससे उन्हें राजनीतिक नुकसान हो सकता है।

पा बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के पहले चुनाव आयोग ने राज्य में मतदाता सूची के सत्यापन अर्थात पुनरीक्षण की जो पहल की, उस पर कांग्रेस, राजद समेत अनेक विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया। इन दलों ने यह बताने की कोशिश की कि चुनाव आयोग कोई अनुचित, अनावश्यक और असंवैधानिक काम कर रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग के साथ मोदी सरकार पर भी तमाम आरोप लगाए। उनके हिसाब से चुनाव आयोग मतदाता सूची का सत्यापन मोदी सरकार के कहने पर कर रहा है और उसका इरादा किसी न किसी प्रकार भाजपा को चुनावी लाभ पहुंचाना है।\ राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की इस पहल को महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में हुई तथाकथित हेराफेरी से भी जोड़ा। वह बार-बार यह घिसा-पिटा आरोप दोहरा रहे हैं कि महाराष्ट्र में चुनाव आयोग ने भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए धांधली करवाई। इन आरोपों का चुनाव आयोग ने विस्तार से जवाब दिया है, लेकिन राहुल गांधी और उनके साथ कई विपक्षी नेता सच का सामना करने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। साफ है कि उनके साथ कांग्रेस यह समझने को तैयार नहीं कि उनकी राजनीतिक जमीन कमजोर हो रही है और इसके लिए वे चुनाव आ?ोग पर दोष मढ़कर कुछ हासिल नहीं कर सकते।\ मतदाता सूची का सत्यापन कोई नई बात नहीं है। बिहार में ही इसके पहले 2003 में मतदाता सूची का सत्यापन हुआ था। अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी मतदाता बढ़े हैं। बिहार के लाखों लोग रोजगार के सिलसिले में बाहर जाते हैं और कुछ तो वहीं स्थाई रूप से बस जाते हैं। इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बांग्लादेश से होने वाली अवैध घुसपैठ से पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ-साथ झारखंड और बिहार भी प्रभावित हैं। मतदाता सूची के सत्यापन से न केवल बिहार के वैध-वास्तविक मतदाताओं का पता चलेगा, बल्कि इसकी भी जानकारी हो सकेगी कि कहीं अवैध बांग्लादेशी बिहार में मतदाता तो नहीं बन गए हैं? आखिर जब वे बंगाल में बन सकते हैं तो बिहार में भी इसकी आशंका है।चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची का सत्यापन निष्पक्ष चुनाव की बुनियादी शर्त है। यदि समय-समय पर इसकी पड़ताल की जाती रहे कि वास्तविक मतदाता कौन हैं और वे कहां रह रहे हैं तो इसमें क्या हर्ज है? शायद ऐसे ही जायज सवालों के कारण चुनाव आ?ग की पहल के खिलाफ जिन राजनीतिक दलों और लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, उन्हें निराशा ही हाथ लगी। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की पहल पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। इतना अवश्य रहा कि उसने चुनाव आयोग को मतदाताओं के सत्यापन के लिए आधार, राशन कार्ड, वोटर आइडी को भी इस्तेमाल करने का सुझाव दिया।यह ठीक ही है कि चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर अमल करने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग का काम नागरिकता तय करना नहीं है। हालांकि चुनाव आयोग का इस संदर्भ में यह कहना था कि हर मतदाता को भारतीय नागरिक होना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि नागरिकता तय करने का काम गृह मंत्रालय का है। कुल मिलाकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सही है। यह फैसला चुनाव आयोग की अनावश्यक आलोचना करने वालों को आईना दिखाने वाला है। उसने व्यर्थ की राजनीति करने वालों को सबक सिखाने का ही काम किया। चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग पर सवाल पहले भी उठाए जाते रहे हैं।हाल के समय में सबसे ज्यादा सवाल ईवीएम पर उठे हैं। सवाल उठाने वाले दलों में कांग्रेस सबसे आगे है, जबकि उसके समय में ही ईवीएम पर अमल शुरू हुआ। केंद्र की सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस लगातार यह साबित करने की कोशिश कर रही है कि भाजपा ईवीएम में कुछ गड़बड़ी कराकर चुनाव जीत रही है। वह और उसके सहयोगी राजनीतिक दल जब ऐसे आरोप लगाते हैं तो यह भूल जाते हैं कि वे भी तो चुनाव जीतते रहते हैं। उन्होंने झारखंड में चुनावी जीत हासिल की थी। कांग्रेस यह देखने को तैयार नहीं कि उसके और सहयोगी दलों के प्रत्याशी जितने अंतर से चुनाव हारते हैं, उतनी संख्या में अवैध वोट नहीं डलवाए जा सकते।\ कोई भी प्रक्रिया अपने आप में संपूर्ण नहीं हो सकती। चुनाव प्रक्रिया में भी कुछ कमियों या विसंगतियों का उल्लेख किया जा सकता है, लेकिन यह हर कोई मानेगा कि समय के साथ भारत की चुनाव प्रक्रिया में सुधार हुआ है और इसी कारण चुनाव आयोग की दुनिया भर में प्रतिष्ठा बढ़ी है। बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन के चुनाव आयोग के फैसले पर विपक्षी दलों ने जो भी सवाल उठाए, वे कुल मिलाकर लोगों को गुमराह करने वाले ही हैं।कांग्रेस और अन्य दलों ने मतदाता सूची के सत्यापन को लेकर चुनाव आयोग पर जो तमाम आरोप लगाए, उनसे यही अधिक साफ हुआ कि वे पुरानी मतदाता सूचियों के सहारे चुनाव कराना चाह रहे हैं और यह मानकर चल रहे कि मतदाता सूची के सत्यापन से कुछ ऐसे लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कट सकते हैं, जो अब मतदाता नहीं हैं और इससे उन्हें राजनीतिक नुकसान हो सकता है। आखिर वे इस नतीजे पर कैसे पहुंच सकते हैं कि ऐसे लोग उन्हें ही वोट देते? यह अच्छा है कि चुनाव आयोग ने उच्चतम न्यायालय के सामने साफ किया कि मतदाता सूची के सत्यापन की 60 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और विधानसभा चुनावों के पहले शेष काम को पूरा कर लिया जाएगा। बेहतर होगा कि सभी राजनीतिक दलों के साथ बिहार के लोग भी यह समझें कि चुनाव आयोग की पहल से फर्जी मतदाताओं के नाम काटेंगे। यह ठीक है कि इस पहल से बिहार के कुछ उन लोगों को परेशानी हो सकती है, जो बाहर रहते हैं और अब भी इस राज्य के वोटर हैं, लेकिन इसके आधार पर चुनाव प्रक्रिया और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के काम को रोका नहीं जा सकता। लोकतंत्र और अधिक सशक्त हो, इसकी चिंता देश के नागरिकों को भी करनी होगी।

अधिकारों और गरिमा से लैस श्रमशक्ति का निमार्णः ईएलआई योजना की भूमिका

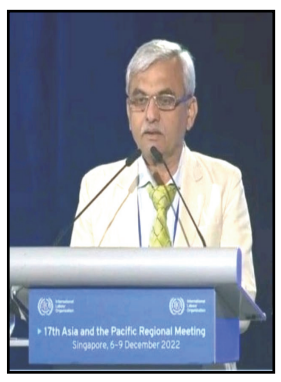

हिरण्मय पंड्या, अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ

भारत सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत की गई बहुप्रतीक्षित रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना देश की श्रमशक्ति के लिए एक स्वागत योग्य राहत है। एक मजदूर संगठन (ट्रेड यूनियन) के तौर पर, हम इसे एक ऐसे दीर्घकालिक मांग के रूप में देखते हैं जोकि आखिरकार साकार हो रही है। यह एक ऐसी सक्रिय नीति है जो रोजगार सृजन, कौशल विकास और औपचारिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस अनूठी पहल की शुरूआत करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। इससे 3.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों में 1.9 करोड़ से अधिक पहली बार काम करने वाले श्रमिक भी शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस योजना को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में श्रमिकों को प्राथमिकता देने की सरकार के इरादे की पुष्टि के रूप में देखता है।

ईएलआई योजना एक ऐसे व्यापक रोजगार सहायता ढांचे का हिस्सा है, जो पिछले वर्ष शुरू की गई सरकार की इंटर्नशिप एवं कौशल विकास योजनाओं जैसी मौजूदा पहलों का पूरक है। कुल मिलाकर इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से नौकरी की सुलभता और सामाजिक सुरक्षा कवरेज के मामले में ऐतिहासिक रूप से पिछड़े श्रेणी 2 और श्रेणी 3 वाले शहरों के युवाओं के लिए रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना, औपचारिक रोजगार की राह तैयार करना तथा श्रम सुरक्षा को मजबूत करना है।

कर्मचारियों के खातों में सीधे योगदान देकर, यह योजना नियोक्ताओं के लिए औपचारिकीकरण की लागत को कम करती है और युवाओं व पहली बार काम करने वाले कर्मियों को औपचारिक श्रमशक्ति का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभों की सुलभता सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अतिरिक्त सहायता प्रदान करके, यह योजना रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी इलाकों और समुदायों में समान आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा भी करती है। यह योजना न केवल श्रमिकों के लिए एक नया अवसर पेश करती है, बल्कि सम्मानजनक, स्थिर और समावेशी रोजगार की दिशा में एक सार्थक बदलाव को भी दशार्ती है।

श्रमशक्ति में प्रवेश और औद्योगिक संबंधों को ठोस बनाना

ईएलआई योजना का सबसे सराहनीय पहलू यह है कि यह औपचारिक रोजगार और वित्तीय साक्षरता से जुड़े 15,000 रुपये तक के प्रत्यक्ष प्रोत्साहन के जरिए नौकरियों में प्रवेश करने वाले नए लोगों को सशक्त बनाने पर केन्द्रित है। कई लोगों के लिए, यह अनौपचारिक से हटकर अधिकार-आधारित व गरिमापूर्ण रोजगार की दिशा में बढ़ते हुए अनुबंधों, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा से लैस कामकाज के व्यवस्थित माहौल से उनका पहला परिचय है। बीएमएस लंबे समय से श्रमिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले ऐसे बदलावों की हिमायत करता रहा है।

औपचारिकीकरण केवल वेतन-भुगतान से संबंधित अनुपालनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नियोक्ता-कर्मचारी के बीच के संबंधों की प्रकृति को भी मौलिक रूप से बदल देता है। सुरक्षा और सम्मान पाने वाले कर्मचारी अधिक योगदान देते हैं, लंबे समय तक टिके रहते हैं और भरोसे का निर्माण करते हैं। यह कर्मचारियों के लिए पेंशन, चिकित्सा संबंधी लाभ, भविष्य निधि से जुड़ी बचत और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता की सुलभता सुनिश्चित करता है।

यह योजना ट्रेड यूनियन के साथ सार्थक जुड़ाव, संस्थागत शिकायत निवारण और कार्यस्थल से जुड़े विवादों में कमी लाने की गुंजाइश बनाती है। इस दृष्टि से, ईएलआई योजना का आशय केवल रोजगार सृजन से ही नहींहै, बल्कि पारस्परिक सम्मान एवं साझा विकास पर आधारित एक अपेक्षाकृत अधिक न्यायसंगत एवं सहभागी कामकाज की दुनिया को आकार देने से भी है।

कौशल निर्माण, गतिशीलता और सतत रोजगार

ईएलआई योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत के कौशल एवं रोजगार के व्यापक ढांचे के अनुरूप ढली हुई है। इससे ऐसा रोजगार सुनिश्चित होता है जो टिकाऊ और सशक्त दोनों हो। वित्तीय साक्षरता, अप्रेन्टिसशिप कार्यक्रमों, आईटीआई सुधारों और भर्ती से जुड़े कौशल (प्लेसमेंट लिंक्ड स्किलिंग) को जोड़कर, यह योजना कौशल हासिल करने से लेकर गरिमापूर्ण काम पाने तक का एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करती है। इसका ध्यान केवल नौकरी में प्रवेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने और करियर में प्रगति पर भी केन्द्रित है। इससे युवा श्रमिकों को औपचारिक श्रम बाजारों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है। खासकर, महामारी के बाद की अनिश्चितताओं और तेजी से बदलते तकनीकी बदलावों की पृष्ठभूमि में। इससे दीर्घकालिक रोजगार और विकास सुनिश्चित होता है।

राष्ट्रीय प्रगति की साझा जिम्मेदारी

ईएलआई योजना सही साधन प्रदान करती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि यूनियन, राज्य और अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक इसके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं। यह योजना ट्रेड यूनियनों को नए औपचारिक श्रमिकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने कार्यस्थलों को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकें। रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यस्थल पर मजबूत लोकतंत्र, बेहतर श्रम-प्रबंधन संवाद और समस्याओं के समाधान में सहयोगात्मक रवैये को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

भविष्य में, ईएलआई योजना भारत के विकास से जुड़े दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हम विकसित भारत@2047 के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य विकास या औद्योगिक विस्तार से परे जाकर एक कुशल, संरक्षित, प्रेरित तथा अर्थव्यवस्था में औपचारिक रूप से समन्वित श्रमशक्ति का निर्माण करना होना चाहिए।

ईएलआई योजना इसी दृष्टिकोण के अनुरूप है और यह एक ऐसे भविष्य की नींव रखती है जहां युवा सशक्त और औद्योगिक संबंध सहयोगात्मक हों। बीएमएस इस दूरदर्शी कदम की सराहना करता है और श्रमिकों एवं राष्ट्र की बेहतरी के लिए इसके प्रति अपना रचनात्मक समर्थन व्यक्त करता है।

दृष्टिकोण : अभिव्यक्ति के नाम पर नकारात्मक राजनीति

(डॉ. सुधाकर आशावादी)

सच्चे लोकतंत्र की पहचान यही है कि जनसाधारण को अपनी बात कहने का अधिकार है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कुछ लोगों की आदत हो गयी है कि वे बिना स्पष्ट प्रमाणों के किसी भी संवैधानिक संस्था या व्यक्ति पर आरोप लगा देते हैं, भले ही बाद में उन्हें अपनी गलती के लिए खेद व्यक्त करना पड़े या माफी माँगनी माँगनी पड़े। कहने का आशय यही है कि किसी की जुबान पर ताला नहीं लगाया जा सकता। राजनीतिक दल अपने संकीर्ण स्वार्थों के चलते अभिव्यक्ति के अधिकार का दुरुपयोग करते हुए देश भर में धरने प्रदर्शन करने का अवसर ढूँढते रहते हैं। कभी किसी मुद्दे पर कभी किसी मुद्दे पर। ऐसे में किसी प्रशासनिक भूल सुधार या व्यवस्था में सुधारात्मक परिवर्तन करना भी आजकल टेढ़ी खीर हो गया है। देश में घुसपैठियों की पहचान करने हेतु मतदाता सूची के पुनरीक्षण का मामला हो या सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने का कार्य, वोट बैंक की राजनीति के फेर में रोहिंग्याओं, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के समर्थन में राजनीतिक दल रैली व धरना देने में भी पीछे नहीं हटते। बिहार के पटना में अनेक विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में गहन पुनरीक्षण के विरुद्ध मोर्चा निकालकर धरना दिया तथा अपनी मंशा साफ कर दी, कि वे चुनाव सुधारों के विरुद्ध हैं। विडंबना यह है कि जिन राज्यों में विपक्षी गठबंधन से जुड़े दलों को हार की संभावना होती हैं, वहां ये अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने की भूमिका तैयार करने लगते हैं। कभी ई वी एम का विरोध करते हैं, कभी मतदाताओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए मतदाता सूची के गहन परीक्षण का। इसके विपरीत जहाँ उनकी सरकार बनती हैं, वहां न तो मतदाता सूची का विरोध करते हैं, न ही ई वी एम को अपनी जीत का श्रेय देते हैं। यहाँ इस सत्य को नहीं झुठलाया जा सकता, कि निम्न वर्गीय व निम्न मध्यम वर्गीय मतदाता को तो अत्यधिक सुविधाओं का प्रलोभन देकर लुभाया जा सकता है, किन्तु शेष मतदाताओं को नहीं। आम मतदाता कानून व्यवस्था व सार्वजनिक विकास के मुद्दे पर मतदान करता है तथा वंशवादी जातीय राजनीतिक क्षत्रपों का बहिष्कार करता है। जिस सत्य को खानदानी राजनीति करने वाले तत्व स्वीकार नहीं करना चाहते तथा मतदाताओं को अपनी बपौती समझने वाले तत्व कभी ई वी एम से होने वाले पारदर्शी चुनाव पर ऊँगली उठाते हैं, कभी चुनाव आयोग की पारदर्शिता पर, जिसे कदाचित उचित नहीं कहा जा सकता। माता पार्वती के एक अन्य नाम मल्लिका और भगवान शंकर के ही एक अन्य नाम अर्जुन से मिलकर इस ज्योतिर्लिंग को मल्लिकार्जुन नाम मिला है। वैसे यहाँ भगवान शंकर को मल्लिकार्जुन एवं माता पार्वती को भ्रमरम्बा देवी के रूप में भी पूजा जाता है। मुख्य मंदिर के रास्ते में शिखरेश्वर मंदिर भी है। कहा जाता है कि मल्लिकार्जुन और शिखरेश्वर मंदिर में दर्शन करने से मनुष्य का पुर्नजन्म नहीं होता है।

कृष्णा नदी के तट पर श्रीशैल पर्वत, जिसे दक्षिण का कैलाश कहते है, पर अवस्थित श्री मल्लिकार्जुन के बारे में स्कंद पुराण की कोटि रुद्र संहिता में वर्णित कथा के अनुसार भगवान शिव के पुत्र कार्तिकेय अपनी भावी पत्नी की तलाश में विश्व भ्रमण को निकले। जब वे लौटकर आए तो उन्होंने देखा कि माता पार्वती और पिता शिव अपने छोटे पुत्र श्री गणेश की शादी ऋद्धि-सिद्धि से करने जा रहे हैं। नाराज होकर उन्होंने घर छोड दिया और वे दक्षिण भारत के क्रौंच पर्वत जिसे श्रीशैल भी कहा जाता है, जा पहुँचे। माता-पिता अपने बेटे का विछोह सहन नहीं कर सके और वे भी उनके पीछे वहाँ तक जा पहुँचे, लेकिन कार्तिकेय वहां से तीन कोस दूर अन्यत्र जा चुके थे।

इन्द्रदेव हुए मेहरबान, मानो महादेव के आदेश पर हाथों से थामे रहे बादल

आस्था का ऐसा अटूट भरोसा जो अब बन गया है विज्ञान की चुनौती

- पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव में झमाझम बारिश के थमने और कार्यक्रम के सकुशल पूरे होने की नहीं टूटी दैवीय परम्परा
- एक लोकप्रिय हिन्दी भजन है कि भगत के वश में हैं भगवान! प्रयागराज पिछले डेढ़ दशक से लगातार इस लोकोक्ति के साकार और महादेव के चमत्कार का साक्षी बनता आया है!

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी पर 12 जुलाई वर्ष 2010 को भीषण आरडीएक्स रिमोट बम हमला हुआ था ! यह हमला तब हुआ जब वे बहादुरगंज स्थित प्राचीन मनोकामनापूर्ति शिव मन्दिर में जलाभिषेक के लिए जा रहे थे ! उस भयानक और जानलेवा विस्फोट में एक पत्रकार और एक सिविल गनर की मौके पर ही मौत हो गयी थी ! मंत्री नन्दी सबसे गंभीर रूप से घायल हो गए थे ! 7 दिन कोमा में रहकर मौत से लम्बी जद्दोजहद के बाद आखिरकार अविश्वसनीय और चमत्कारिक रूप से उनकी जान बच गई ! इसे साक्षात महादेव की कृपा और आशीर्वाद से प्राप्त पुनर्जन्म माना गया ! तबसे उनके समर्थक और चाहने वाले 12 जुलाई को मंत्री नन्दी का पुनर्प्राप्त जन्म दिवस मनाते हैं ! मुख्य आयोजन बहादुरगंज स्थित मनोकामनापूर्ति शिव मन्दिर में होता है ! यहाँ प्रतिवर्ष लाखों लोग महादेव के दर्शन कर मंत्री नन्दी को शुभकामना देते हैं और भोजन प्रसाद ग्रहण करते हैं ! सावन के महीने में होने वाले इस आयोजन में मानसून अपने चरम पर होता है !

गाजीपुर से लेकर गाजियाबाद तक, कानपुर से सहारनपुर तक मनाया गया मंत्री नन्दी का पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव

उद्यमियों, व्यापारियों एवं वैश्य समाज के लोगों ने की मंत्री नन्दी के दीघार्यु की कामना

- विभिन्न मंदिरों, शिवालयों एवं प्राचीन मंदिरों में हुआ रूद्राभिषेक पूजन एवं भंडारा
- कई स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर के साथ ही वृद्धाश्रम में सेवा शिविर का हुआ आयोजन

भारत संवाद

उद्यमियों, व्यापारियों एवं वैश्य समाज के लोगों की सशक्त आवाज उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी का पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव शनिवार को न केवल प्रयागराज बल्कि पूरब से लेकर पश्चिम तक और अवध से लेकर बुन्देलखण्ड क्षेत्र तक प्रत्येक जनपद में बहुत ही उत्साह के साथ व्यापारी साहस दिवस के रूप में मनाया गया। प्रत्येक जनपद में व्यापारियों, उद्यमियों एवं वैश्य समाज के लोगों ने प्राचीन मंदिरों, देवालयों, शिवालयों में रूद्राभिषेक जलाभिषेक पूजन एवं भंडारा कर मंत्री नन्दी के दीघार्यु की कामना की। वहीं लोगों ने गरीबों, असहायों के साथ ही निर्बल वर्ग की सेवा कर समाज की एकता एवं सेवा संकल्पों का मजबूत उदाहरण प्रस्तुत किया। जनपद शामली में नगर पालिका परिषद शामली के व्यापारियों एवं उद्यमियों ने मंत्री नन्दी के पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दिया गया। बाबा गोरखनाथ की नगरी गोरखपुर में व्यापारियों एवं समर्थकों ने शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक किया। जनपद पीलीभीत में वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने संरक्षक अनूप अग्रवाल के नेतृत्व में वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को भोजन प्रसाद ग्रहण करा कर सेवा कार्य किया। जनपद कुशीनगर के तमकुही राज में वैश्य समाज के लोगों ने रूद्राभिषेक कर भोजन प्रसाद वितरित किया। जनपद मुरादाबाद के दयालनगर श्री राम मंदिर में रूद्राभिषेक पूजन कर गरीब बस्तियों में भोजन वितरित किया गया। जनपद गोंडा के श्रीराम जानकी मंदिर में व्यापारियों ने हवन-पूजन एवं प्रसाद वितरण कर मंत्री नन्दी के दीघार्यु की कामना की। रामपुर में भी रूद्राभिषेक पूजन एवं प्रसाद वितरित किया गया। जनपद शामली में मेदान्ता अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा डॉ राजेंद्र गोयल के नेतृत्व में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं दी गई। जनपद चित्रकूट के कर्वी तहसील स्थित प्राचीन शिव मंदिर में प्रकाश केसरवानी के नेतृत्व में व्यापारियों ने हवन-पूजन, रूद्राभिषेक एवं प्रसाद वितरित किया।

विद्या प्रतिभा सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन सेमिनार संपन्न

भारत संवाद

प्रयागराज ,अमृत एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट, प्रयागराज द्वारा रविवार को गयादीन विश्वकर्मा इण्टरमीडिएट कॉलेज, भिदिउरा, थरवई, प्रयागराज में विद्या प्रतिभा सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करना एवं युवाओं को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ शिक्षाविद एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलसचिव श्री आर. एल. विश्वकर्मा जी ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश के माननीय अध्यक्ष एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के ललित कला विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील विश्वकर्मा जी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ह्यआज का युवा अगर सही मार्गदर्शन और मंच पाए, तो वह अपने सपनों को साकार कर सकता है।ह्व विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ शिक्षाविद एवं पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. बेचन शर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रतापगढ़ श्री रामबाबू विश्वकर्मा, करफड इंडिया स्पेस वीक नोडल कोऑर्डिनेटर एवं राज्य समन्वयक डॉ. प्रभांशु कुमार, प्रेरक वक्ता डॉ. सुग्रीव सिंह, इस्लामिया इंटर कॉलेज, प्रतापगढ़ के प्रधानाचार्य श्री लालमणि विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्री सिद्धनाथ मौर्य, श्री अरविंद विश्वकर्मा एवं श्री विजय कुमार, तथा केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एकाउंटेंट श्री राममूरत विश्वकर्मा सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान विद्या प्रतिभा स्पर्धा परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र अंश मौर्य को साइकिल, स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 15 छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, रजत पदक एवं प्रशस्ति पत्र और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को कांस्य पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, विज्ञान, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं सामाजिक कार्यों में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले 150 से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिह्न, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। करियर मार्गदर्शन सत्र में विशेषज्ञों ने इंजीनियरिंग, आर्ट्स, डिफेंस, स्टार्टअप्स, डिजिटल इंडिया, नवाचार एवं लोक सेवा प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को विस्तार से मार्गदर्शन दिया, जिससे उपस्थित छात्र-छात्राओं को अपने भविष्य के लिए दिशा निर्धारण में सहायता मिली। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. बेचन शर्मा जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य का निर्धारण अत्यंत आवश्यक है। यदि विद्यार्थी ठोस योजना बनाकर मेहनत करें, तो वे किसी भी मुकाम को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री आर. एल. विश्वकर्मा ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में शिक्षा को जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि शिक्षा से ही जीवन में ज्ञान, संस्कार एवं आत्मबल का समन्वय संभव है और यही समन्वय किसी भी राष्ट्र की वास्तविक संपदा है। अंत में, विद्यालय के प्रबंधक तीर्थराज विश्वकर्मा द्वारा सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार ने अपने समापन भाषण में सभी आगंतुकों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मंच विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने का माध्यम भी है। इस कार्यक्रम में पी. सी. प्रजापति, अक्षय सिंह चंदेल, डॉ. राम आसरे विश्वकर्मा, रमेश चंद्र विश्वकर्मा, सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय छात्र-छात्राएं, अभिभावक, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस आयोजन की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं करियर निर्माण की इच्छाशक्ति निरंतर प्रगति कर रही है।

जन समस्याओं के समाधान हेतु तय की जाय, जवाबदेही

हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव किया जायेगा निदानःकेशव प्रसाद मौर्य

- उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज सर्किट हाउस मे लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम
- समाधान भी होगा, सुविधाएं भी मिलेंगी : केशव प्रसाद मौर्य

भारत संवाद

लखनऊ/ प्रयागराज : उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस प्रयागराज मे आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न , भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान न हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें ।

फास्ट ट्रैक

थाना पड़री पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पड़री पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः13.07.2025 को उप-निरीक्षक विजय कुमार यादव मय पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी 1. मेदी सिंह पुत्र पुद्दी सिंह व 2. छोटक सिंह पुत्र पुद्दी सिंह निवासीगण सिकन्दरपुर देवाही थाना पड़री जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना जमालपुर पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना जमालपुर, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 11.07.2025 को वादी कन्हैया लाल विश्वकर्मा पुत्र स्व0 श्रीरामा विश्वकर्मा निवासी लठिया सहजनी थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी के पुत्र के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल किया गया तथा इलाज के दौरान मृत्यु होने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जमालपुर मु0अ0सं0-109/2025 धारा 115(2),352,351(3),105 बीएनएस कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष जमालपुर को अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना जमालपुर पर पंजीकृत उपरोक्त मुकदमें में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः13.07.2025 को उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह चौकी प्रभारी शेरवा मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना जमालपुर क्षेत्रान्तर्गत विक्सी चौराहा के पास से नामजद 02 नफर अभियुक्तों 1.चन्द्रशेखर विश्वकर्मा पुत्र सुरेश विश्वकर्मा व 2. चन्द्रभान विश्वकर्मा पुत्र सुरेश विश्वकर्मा निवासीगण ग्राम लठिया सहजनी थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । थाना जमालपुर पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा नाजायज चाकू के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध तथा अवैध शस्त्रों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 13.07.2025 को उप-निरीक्षक विनोद कुमार मय पुलिस टीम देखभाल क्षेत्र/गश्त में मामूर थे कि इस दौरान अभियुक्त दयानन्द उर्फ देवपाल पुत्र गुल्लू निवासी दांती थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक अदद नाजायज चाकू बरामद हुआ । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-224/2025 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई ।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्ता गिरफ्तार

थाना चिल्ह, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 10.06.2025 को वादी हरिहर प्रसाद पुत्र स्व0 माता प्रसाद निवासी तुलसीपट्टी थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध जमीन सम्बन्धित विवाद को लेकर वादी के पुत्र के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चिल्ह मु0अ0सं0-141/2025 धारा 110,352,125 बीएनएस कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना चिल्ह को अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं ।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा लापरवाही पूर्वक मृत्यु कारित करने के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना चिल्ह, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 12.07.2025 को वादी डाक्टर पुत्र स्व0 राजकुमार निवासी चन्देल डाडिया थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध खेत में हाई वोल्टेज तार लगाने से वादी के भाई की मृत्यु कारित होने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चिल्ह मु0अ0सं0-181/2025 धारा 106(1) बीएनएस कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना चिल्ह को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं

मुड़िया मेला 2025: रेलवे द्वारा तीर्थयात्रियों को प्रदान की गई उत्कृष्ट सेवाएँ

भारत संवाद

दिनांक 5 जुलाई से 12 जुलाई 2025 तक आयोजित हुए प्रसिद्ध मुड़िया मेला 2025 के दौरान उत्तर मध्य रेलवे द्वारा मेल में आ रहे तीर्थयात्रियों को सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए बहुत से सुनियोजित और सुव्यवस्थित प्रयास किये गये।ज्ञात हो कि, इस मेले में लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहती है, और उनकी सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता थी।

मेले में अधिक यात्रियों के दृष्टिगत विशेष ट्रेन सेवाओं का संचालन एवं नियमित सेवाओं का विस्तार

मेले के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए, उत्तर मध्य रेलवे ने कुल 208 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाईं। इनमें से 68 अन्य सेवाएँ विस्तारित भी की गई थीं। इससे दूरदराज से आने वाले तीर्थयात्रियों को भी मथुरा तक सीधी पहुँच मिल सकी। इन विशेष ट्रेनों को चलाने का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के अपने गंतव्य तक पहुँचाना और वापसी यात्रा को भी सुगम बनाना था।

अतिरिक्त कोच और अस्थायी ठहराव

तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने के लिए, विभिन्न नियमित ट्रेनों में 40 अतिरिक्त कोच भी जोड़े गए। इन अतिरिक्त कोचों ने यात्रियों को भीड़भाड़ से राहत दिलाई और यात्रा को अधिक आरामदायक बनाया। इसके साथ ही, चार महत्वपूर्ण मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को मथुरा में अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया। इस कदम से इन प्रमुख ट्रेनों से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को सीधे मथुरा स्टेशन पर उतरने की सुविधा मिली, जिससे उनका समय और ऊर्जा दोनों की बचत हुई।

यात्रियों की संख्या और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि

मुड़िया मेला 2025 की अवधि के दौरान, उत्तर मध्य रेलवे ने कुल 3.65 लाख आउटवर्ड यात्रियों को सेवा प्रदान की। यह संख्या पिछले वर्ष की मेला अवधि की तुलना में लगभग 25% अधिक है।

यात्रियों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ, रेलवे को 3.16 करोड़ रुपये का राजस्व भी प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 25% की वृद्धि है। यह वित्तीय उपलब्धि रेलवे द्वारा प्रदान की गई कुशल और व्यापक सेवाओं का प्रत्यक्ष परिणाम है।

भविष्य की प्रतिबद्धता

उत्तर मध्य रेलवे सभी धार्मिक आयोजनों और विशेष अवसरों पर यात्रियों को उत्कृष्ट और सुरक्षित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुड़िया मेला 2025 की सफलता हमें भविष्य में और भी बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रेरित करती है।

कांवरियों की सुरक्षा के लिए सिविल डिफेंस घाटो पर मुस्तैद रहेंगः दुकानजी

भारत संवाद

सावन मे प्रयागराज की तपो भूमि धरती दारागंज जहां ब्रम्हा जी ने 10 अश्वमेघ यज्ञ अनुष्ठान पूजन किया दशाश्वमेध घाट पर जहां का जल भर कर ही कांवरिया काशी विश्वनाथ जी को या अन्य मन्दिर मे जल चढ़ाने नंगे पैर जाते उस स्थान पर सा शासन न प्रशासन सभी अपनी अपनी जिम्मेदारी के साथ ड्युटी निभाते है जिनके साथ सिविल डिफेंस के सभी अधिकारी गण और सभी स्वयंसेवक अपनी अपनी डयुटि बाखूबी निभाते हैं आने वाले कावरियों को कोई परेशानियों का सामना न करना पड़े उसके लिये एक महिना सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने कमर कस कर सुबह दोपहर शाम रात अपनी अपनी पारी पारी ड्युटी निभाने के लिये आज दिनांक 13/7/2025 साम 5 बजे से सभी स्वयसेवक पुलिस प्रशासन के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर जहा जहा डियुटि पर तैनात किया जाये अपनी अपनी जिम्मेदारी बाखुबि निभायेगे दारागज घाट, शास्त्री ब्रिज,मोरी,रेलवे स्टेशन, नागबाषुकी मन्दिर, दशाश्वमेध मन्दिर पर तैनात रहेगे भिड नियन्त्रण, गहरे पानी के पहले लगे बने बैरिकैटिग के इधर नहाना,गंगा मे माला फूल,पालिथिन, न डालना ,स्वच्छता का ध्यान रखना,चोर उचक्को से सावधान, नगर निगम की स्वचलित जगह जगह पर रखे शौचालय मूत्रालय का हि प्रयोग करना जागरुक करना किसी अनजान व्यक्ती को सामान दिखाकर नहाने न जाना अनजान व्यक्ती का प्रसाद न ग्रहण करना, कोई भी मनलुभावन सामान जैसे रेडियो, ट्रांजिस्टर, खिलौने पढी दिखे उसे न छूना आपके आसपास ड्युटी पर मुस्तैद पुलिस या सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों को सूचित करना सम्पर्क सुत्र डी डी डब्लू नगर आ0 दुकानजी 9919144420 पोस्ट वार्डन राजेश पाठक 9305174099 डिप्टी पोस्ट वार्डन काशीनाथ सोनकर 9005659082 यह जानकारी सिविल डिफेंस के डिप्टी डिवीजनल वार्डन ब्राण्ड एम्बेसेडर राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी ने दिया।

साहसिक पहल

मुख्यमंत्री उत्तराखंड, कर्मठ, कर्मयोगी, श्री पुष्कर सिंह धामी जी का अभिनंदन

भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड की दिशा में साहसिक पहल

- परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में देहरादून की सभी संस्थाओं ने माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी का किया अभिनन्दन
- उत्तराखंड प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी को किया गया सम्मानित

भारत संवाद

देहरादून/ऋषिकेष । उत्तराखंड की पावन भूमि आध्यात्मिकता और संस्कृति की प्रतीक है। साथ ही यह सत्य, सेवा और नैतिकता की जीती-जागती मिसाल भी है। इस नई दिशा और दृष्टि को स्वर और संकल्प दिया है माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी ने। भ्रष्टाचार के विरुद्ध उनके नेतृत्व में चल रही ऐतिहासिक पहल ऑपरेशन कालनेमि एक प्रशासनिक कार्रवाई के साथ यह सामाजिक और नैतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि त्रेतायुग में भगवान श्रीराम जी के आदेश पर हनुमान जी ने साधु के वेश में छिपे राक्षस कालनेमि का अंत किया। आज कलयुग में उन्हीं मूल्यों की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी ने ऑपरेशन कालनेमि का नेतृत्व कर पाखंड, भ्रष्टाचार और असत्य के विरुद्ध निर्णायक कदम उठाया है।यह अभियान श्रीराम भक्त एक कर्मयोगी मुख्यमंत्री जी द्वारा धर्म, सत्य और पारदर्शिता की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। वास्तव में यह पहल अत्यंत प्रेरणादायक, सराहनीय और उत्तराखंड को भ्रष्टाचारमुक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसी उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के सम्मान में एक अभिनंदन कार्यक्रम आज देहरादून में आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य व देहरादून की सभी संस्थाओं व पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन एक जन-जागरण की अनुभूति और एक नयी दिशा में बढ़ते उत्तराखंड की अभिव्यक्ति है। आज भी हमारे समाज में ऐसे अनेक छद्मवेशधारी लोग मौजूद हैं, जो धर्म, सेवा और सामाजिक कार्यों की आड़ में जनता को ठगते हैं, सरकारी तंत्र को भ्रष्ट करते हैं और समाज की नींव को खोखला करते हैं। इन्हीं के विरुद्ध चलाया गया है ऑपरेशन कालनेमि, जो न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता की पहल है, बल्कि एक नैतिक आंदोलन भी है। भ्रष्टाचार किसी भी राष्ट्र, समाज या संस्था की आत्मा को धीरे-धीरे क्षीण करता है। यह आर्थिक संसाधनों की लूट तो है ही, लेकिन उससे भी अधिक यह नैतिक मूल्यों, पारदर्शिता और जनविश्वास का हनन है। इससे सर्वाधिक पीड़ा उन्हें होती है जो ईमानदारी, परिश्रम और निष्ठा के मार्ग पर चलते हैं। भ्रष्टाचार सामाजिक विषमता को बढ़ाता है, न्याय को कमजोर करता है और लोकतंत्र की नींव को हिला देता है। माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने यह सिद्ध किया है कि शासन केवल योजनाओं और घोषणाओं से नहीं चलता, बल्कि उसे नैतिक साहस, पारदर्शिता और जनसमर्पण की आवश्यकता होती है। समाज में भ्रम और भय का वातावरण बनाकर सरकारी सुविधाओं का दुरुपयोग कर रहे लोगों के खिलाफ यह सशक्त कदम है।

टीजीटी-पीजीटी परीक्षा तिथि घोषित करने,जी आई सी एल टी व प्रवक्ता आदि के विज्ञापन को लेकर आन्दोलन तेज

पत्थर गिरजाघर सिविल लाइंस धरना स्थल पर 14जुलाई2025को प्रदर्शन

भारत संवाद

प्रयागराज 13/07/2025 टीजीटी-पीजीटी परीक्षा तिथि को लेकर शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा स्थिति स्पष्ट नहीं किया जा रहा है 13 लाख से अधिक प्रतियोगियों को आयोग गुमराह कर रहा है 30जून 2025को हुए आन्दोलन में पुलिस द्वारा लाठीचार्ज के दौरान आयोग के सामने आन्दोलन करने से मना किया गया बाद में आन्दोलन की अनुमति से नकार दिया गया युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह का कहना है कि योगी सरकार द्वारा भारी भरकम शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन सिर्फ एक छलावा है आयोग के अधिकारी व कर्मचारी केवल नौजवानों का मानसिक उत्पीड़न कर रहे हैं तीन बार परीक्षा तिथि घोषित करने के बाद भी आयोग परीक्षा नहीं करा सका आयोग का कहना है कि शासन स्तर से मंजूरी मिलने पर परीक्षा कराई जाएगी ऐसे में छात्रों में काफी आक्रोश है तीन साल पुरानी भर्ती की परीक्षा तक न होना बहुत बड़ा दुर्भाग्य है आयोग द्वारा परीक्षा कब होगी यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा है जिससे प्रतियोगी छात्रों का मनोबल कमजोर होता जा रहा है और नौजवानों में निराशा बढ़ रही है कि कहीं सरकार विधानसभा के चुनाव तक न भर्ती को लटकाए रखे ऐसे में युवा मंच के बैनर तले पत्थर गिरजाघर सिविल लाइंस धरना स्थल पर प्रदर्शन कर टीजीटी-पीजीटी भर्ती परीक्षा तिथि घोषित कर तत्काल परीक्षा कराने तथा जीआईसी एल टी व प्रवक्ता के समस्त रिक्त पदों पर यथा शीघ्र विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर आन्दोलन का निर्णय लिया गया है सोमवार को सुबह 11बजे धरना स्थल पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से भेजा जाएगा और एक ज्ञापन शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष को भेज कर स्थिति स्पष्ट करने व सितम्बर माह के अंदर 4163पदों पर परीक्षा कराने को लेकर आग्रह किया जाएगा ।श्री सिंह का कहना है कि आयोग की तानाशाही से प्रतियोगियों का मानसिक उत्पीड़न हो रहा है आयोग परीक्षा कि तिथियों को घोषित कर परीक्षा कराने के बजाय अगली तारीख की घोषणा कर देता है अब तक तीन बार परीक्षा तिथियां बदली जा चुकी है फिर भी निश्चित नहीं है कि आयोग परीक्षा करा लें आयोग के एक्स हैंडल से परीक्षा की तिथियों से संबंधित नोटिस भी डिलीट कर दिया जाना आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है।

विधायक ने फीता काटकर की डाक कावड़ रवाना

आकाश शर्मा, भारत संवाद

अलीगढ़: बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह ने रविवार को सीता काटकर भव्य डाक कावड़ को रवाना किया, जहां सैकड़ों शिव भक्तों का जोश खरोश देखने लायक था, इस दौरान भक्तों के जय भोले की, बोल भोले की बम जैसे गगन भेदी नारों से चारों दिशाएं गूंज उठी। इस अवसर बरौली विधायक जय वीर सिंह ने कहा कि वह भी दिन था जब समाजवादी पार्टी की सरकार में शिव भक्तों पर डंडे पड़ते थे, आज भाजपा की सरकार में उन पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा हो रही है। इस दौरान बैड बाजों एवं डी जे पर कस्बे में भव्य काली शोभा यात्रा, राम, लक्ष्मण, हनुमान एवं राधा कृष्ण केसे रूपों की झांकियां निकाली गई, बाद में सैकड़ो शिवभक्तों के साथ डाक कावड़ यात्रा गंगा स्नान कर जब लेने के लिए गंगा जी को रवाना हो गई। इस अवसर पर बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार चौधरी, नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि पिंटू सूर्यवंशी, रामोतार दिवाकर, कैलाश दिवाकर, शीशपाल सिंह, मुकेश सिसोदिया, भूरी सिंह, रविंद्र सिंह सभासद, रविकांत महेश्वरी, राम भूल प्रधान, बिट्टू शर्मा, आकाश सूर्यवंशी एवं देवेश राघव प्रमुख थे।

एक पेड़ मां के नाम को साकार करने की आवश्यकता: विपुल

भारत संवाद

सहारनपुर। कतर देश में भारत के राजदूत विपुल बैंसले ने कहा कि ईश्वर ने जो प्रकृति भारत भूमि को प्रदान की है वह निःसन्देह किसी देश के पास नहीं है। मगर इस ईश्वरीय धरोहर को भौतिकता और आधुनिकता के लोभ में हम स्वयं लुप्त करने पर तुले हुए हैं। जिसे बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अभियान एक पेड़ माँ के नाम को अनोपचारिक रूप से साकार किए जाने की आवश्यकता है।

आज यहां गिल कालोनी स्थित वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक पोसवाल के आवास पर स्नातक इण्डिया वैलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित वृक्षारोपण जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री बैसले ने कहा कि वर्ष 1998 से भारतीय विदेश सेवा में कार्यरत होने के बाद उन्होंने कई देशों का भ्रमण किया है। परन्तु उन्हें यह अहसास हो गया है कि भारत एक ऐसा प्राकृतिक देश है जिसकी प्रकृति ही उसकी संस्कृति है, जिसका संरक्षण स्वयं का सरक्षण है। स्वातक इन्डिया वेलफेयर एसो. के वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार द्वारा अनेक देशों में भेजे गए सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधि मन्डलों का विश्व में अच्छा सन्देश गया है। इससे दुनिया को इस बात की जानकारी हुई कि भारत ने श्आपरेशन सिंदूरश आंतकवादियों एवं उनके अड्डों को समाप्त करने के उद्देश्य से किया। इसमें भारत ने अपने लक्ष्य को हासिल किया। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में श्री बैसले ने कहा वे गल्फ क्षेत्र के अनेक देशों में कार्य कर चुके हैं। यहां पर लगभग 80 लाख से अधिक भारतीय कार्यरत है। कतर में भी रहने वाले भारतीय मिल-जुल कर रहते हुए अपने त्यौहार मनाते हैं। वहां के सभी भारतीय देश का नागरिक होने पर, गर्व महसूस करते है। इस अवसर पर श्री बैसले ने मां के नाम एक पेड़ लगाकर वृक्षारोपण अभियान को गति दी। कार्यक्रम के दौरान एन्टी करप्शन के अध्यक्ष गौरव गाबा, ने शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया इस अवसर स्नातक इन्डिया वेलफेयर के संयोजक अशोक पोसवाल एड, अध्यक्ष अमीर खान एड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंजर हुसैन काजमी एड., व्यापार मण्डल के सुरेन्द्र मोहन कालड़ा, आर.एस.एस. के राकेश वीर, आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था महासचिव जे. एम. गांधी ने किया।

उ.प्र.श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की जिला कार्यकारिणी का गठन

पत्रकार हितों की रक्षा के लिए संगठन हमेशा तैयार: अशोक शर्मा

भारत संवाद

सहारनपुर । उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन (पंजी.) शाखा सहारनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक रेलवे रोड स्थित कार्यालय पर आयोजित की गयी। बैठक में यूनियन की कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में अशोक कुमार शर्मा को अध्यक्ष, अमीर खान एडवोकेट को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, निसार सिद्दिकी, सुधीर कुमार एडवोकेट, महीपाल, सिंह, हरिओम सैनी को उपाध्यक्ष, एम.ए.खान को महासचिव, रमेश यादव संगठन सचिव, रमन गुप्ता को विधि सचिव, मौ.इस्लाम, जोगेन्द्र कल्याण सचिव, सुरेश कुमार प्रेस सचिव, नफीस थानवी संयोजक, मौ.इरफान सचिव, धर्मेन्द्र अनमोल, फहीम थानवी, मौ.आरिश, मौ.नौशाद,को सदस्य कार्यकारिणी मनोनीत किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा कि संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है।

फास्ट ट्रैक

जीआईएस सर्वे के विरोध में सड़कों पर उतरेगा व्यापारी: राजेश गुलाटी

भारत संवाद

सहारनपुर। सामाजिक उद्योग व्यापार मण्डल की एक महत्वपूर्ण बैठक व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष राम बाबू रस्तोगी के आदेशानुसार आज घंटाघर स्थित रामनगर कार्यालय पर आयोजित की गयी। व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष राजेश गुलाटी ने कहा कि जिस प्रकार पूरे उत्तर प्रदेश में हमारे शहर सहारनपुर में जीआईएस सर्वे के बाद टैक्स विवाद का समाधान एक बड़ी चुनौती बन गया है, इस सर्वे के बाद कई गुना तक बढ़े टैक्स की आपत्तियों से निस्तारण में पता चला है कि सम्बिन्धत भवनों का सर्वे ठीक से नहीं हुआ है। जीआईएस सर्वे के बाद करीब 4 हजार आपत्तियां नगर निगम को प्राप्त हुई हैं, आगे और भी होनी है। इनमें से 3538 आपत्तियां गलत पायी गयी है, जिसमें भवन स्वामी का क्षेत्रफल है, उसको बढ़ा दिया गया और जो टैक्स पहले किसी व्यापारी का 20 हजार रुपए वार्षिक आता था अब नगर निगम द्वारा जो टैक्स लगाा है, अब 20 हजार रुपए की जगह 1,20000 रुपए का नोटिस जारी किया गया है जो कि 500 प्रतिशत है। व्यापारी इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा नगर निगम के साथ इंट से ईंट बजा देगा। अभी हाल ही में गाजियाबाद मेयर ने जो टैक्स बढाया था वह वापिस ले लिया है। व्यापार मण्डल की भी मांग है कि पूरे उत्तर प्रदेश एवं सहारनपुर में भी टैक्स बढोत्तरी वापिस ली जाये नहीं तो पूरे प्रदेश में धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया जायेगा।जिलाध्यक्ष राजेश गुलाटी ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में विद्युत की दरें पूर्व में ही अन्य राज्यों की अपेक्षा अत्यधिक है। उसके बावजूद प्रदेश सरकार फिर से प्रदेश में बिजली की दरें बढ़ाना चाहती है जो प्रदेश की जनता के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि यदि बिजली दरों में बढोत्तरी होती है तो आम आदमी के अन्य खर्चों में भी बढोत्तरी हो जायेगी। एक तो पहले ही प्रदेश की गरीब जनता पर महंगाई की मार है, उस पर सरकार द्वारा अव्यवहारिक तरीके से विद्युत दरों में बढोत्तरी करना अव्यवहारिक है, जिसको व्यापार मण्डल बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर विद्युत वृद्धि हुई तो पूरे प्रदेश में व्यापारियों द्वारा धरना-प्रदर्शन व पुतला दहन किया जायेगा जिसकी जिम्मेदारी स्वयं सरकार की होगी। बैठक में राजेश गुलाटी, गौरव चैहान, नवीन अग्रवाल, कुणाल बतरा, रोहन राजपाल, अजय सोनी, नितिन वालिया, जस्सी सरदार, विरेन्द्र बहल, विनय गांधी, ज्ञान चन्द सचदेवा, सुमित सैनी, प्रिंस शर्मा, विवेक अरोडा, विनय गांधी आदि मौजूद रहे।

शहर के विकास कार्यों को गति देने के लिए नगर आयुक्त ने उठाया बड़ा कदम- निर्माण कार्यों में मानक गुणवत्ता और पारदर्शिता लाने के लिए ठेकेदारों के लिए नगर आयुक्त ने जारी की एडवाइजरी

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता चंडोस /भारत संवाद

अलीगढ़। शहर के सतत और सुव्यवस्थित विकास के लिए नगर निगम के मुखिया ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए निर्माण कार्यों से संबंधित व्यापक और कठोर नियमों की नई श्रृंखला को लागू किया है।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा द्वारा अनुमोदित इन दिशा-निदेर्शों का मूल उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना,कार्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करना तथा ठेकेदारों की जवाबदेही तय करना है।नगर निगम द्वारा लिए गए इस निर्णय से शहर में चल रहे सभी प्रकार के निर्माण कार्यों में अनुशासन, पारदर्शिता व तकनीकी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। अब नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा प्रत्येक कार्य से पहले ठेकेदार से यह सुनिश्चित कराया जाएगा कि वे नए नियमों का पालन करने को बाध्य होंगे।गुणवत्ता की पुष्टि हेतु थर्ड पार्टी जांच का प्रावधान।50 लाख या उससे अधिक लागत वाले सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच अब ककळ जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान द्वारा की जाएगी।50 लाख से कम राशि के निर्माण कार्यों के मटेरियल की टेस्टिंग लोक निर्माण विभाग अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी या सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट(सी आर आर आई) नई दिल्ली से कराई जाएगी। निर्माण कार्य का सूचना पत्र जारी होने के 10 दिन के भीतर परफॉर्मेंस गारंटी जमा कर अनुबंध करना अनिवार्य होगा।ऐसा न करने पर प्रतिदिन 1000 का अर्थदंड लगेगा।30 दिन के भीतर भी अनुबंध न करने की स्थिति में छड्ढअ निरस्त,जमानत राशि जब्त, और ठेकेदार को काली सूची में डाला जाएगा। कार्य की देरी होने पर प्रति सप्ताह 1% की दर से जुमार्ना लगाया जाएगा।अधिकतम 10% तक का दंड अनुबंधित राशि पर लागू होगा।यह वसूली परफॉर्मेन्स सिक्योरिटी,चालू देयक या अन्य जमा राशि से की जाएगी। स्वीकृत लागत से 10% तक कम दर पर निविदा होने पर,परफॉर्मेन्स सिक्योरिटी 3% तक सीमित रहेगी।यदि 10% से अधिक की कमी हो तो हर अतिरिक्त प्रतिशत के अनुपात में 1% अतिरिक्त परफॉर्मेन्स गारंटी देनी होगी।परफॉर्मेन्स गारंटी जमा न करने पर धरोहर राशि जब्त की जाएगी।सीसी (उ.उ.)एवं इंटरलॉकिंग द्वारा बनी सड़कों का निर्माण पूरा होने के बाद 5 वर्षों तक अनुरक्षण की जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।परियोजना लागत की 5% राशि परफॉर्मेन्स गारंटी के रूप में रोकी जाएगी और रख-रखाव संतोषजनक होने पर ही भुगतान होगा।हॉटमिक्स एवं अन्य सिविल कार्यों की रख-रखाव अवधि कम से कम 2 वर्ष होगी।इन कार्यों के अनुरक्षण हेतु अतिरिक्त भुगतान नहीं दिया जाएगा नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने स्पष्ट किया कि इस नई व्यवस्था से निर्माण कार्यों में तेजी आने के साथ-साथ मानक गुणवत्ता में पारदरिश्ता आने के कारण जन आकांक्षाओं के अनुरूप शहर में विकास कार्य हो सकेंगे।इस नई व्यवस्था से नगर निगम अब निर्माण में लेट लतीफी, अनुबंध में देरी, घटिया सामग्री का प्रयोग, रख-रखाव में लापरवाही जैसी समस्याओं को सख्ती से रोकेगा।नई व्यवस्था से निर्माण कार्यों में पारदर्शिता आने के साथ-साथ निर्धारित समय अवधि में शहर में चौमुखी विकास कार्यों को गति मिलेगी।महापौर प्रशांत सिंघल ने कहाना है कि इस नई प्रणाली के लागू होने से अलीगढ़ नगर निगम की निर्माण प्रक्रिया में बुनियादी सुधार होगा।जहां एक ओर समयबद्ध कार्य होंगे,वहीं दूसरी ओर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी।ठेकेदारों की जवाबदेही बढ़ेगी, भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और नागरिकों को मजबूत, टिकाऊ निर्माण कार्य होंगे।उन्होंने कहा नगर आयुक्त का यह कदम नगर निगम अलीगढ़ को एक उत्तरदायी और प्रगतिशील नगर निगम के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

अखिल भारतीय करणी सेना के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान को पुलिस ने किया नजरबंद

गोपल शर्मा संवादाता गभाना/ भारत संवाद

अलीगढ। रविवार की सुबह अखिल भारती करणी सेना के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान अपने साथी पदाधिकारियों के साथ कांवड़ियों के लिए शासन प्रशासन द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं को देखने एवं खाद्य सामग्री विक्रेताओं की पहचान को उजागर करने के लिए कावड़ रूट पर जा रहे थे रास्ते में पुलिस ने ठा0 ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान को गिरफ्तार कर लिया और घर पर लाकर हाउस अरेस्ट कर दिया। ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि भगवान भोलेनाथ का पवित्र माह श्रावण मास प्रारंभ हो चुका है जिसमें हजारों की संख्या में शिव भक्त कांवड़ लेकर आते हैं और भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित करते हैं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सभी भक्तों की भावनाओं का सम्मान रखते हुए कांवड़ यात्रा रूट पर पड़ने वाले सभी खाद्य सामग्री विक्रेताओं को अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर अपनी नेम प्लेट मोबाइल नंबर के साथ लगाने का निर्देश दिया गया है परंतु कुछ जिहादी मानसिकता वाले लोगों ने अपने प्रतिष्ठानों पर अपनी नेम प्लेट नहीं लगाई है पूर्व में इस तरह की तमाम घटनाएं हो चुकी है जिनमें मुस्लिम जेहादियों के द्वारा हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करते हुए फल सब्जी आदि को थूक कर और मूत्र के हाथों से हिंदू ग्राहकों को दिया गया था इन सभी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय करणी सेना के पदाधिकारियों द्वारा सभी खाद्य सामग्री विक्रेताओं की पहचान को उजागर करने का निर्णय लिया गया था परन्तु अलीगढ़ पुलिस प्रशासन द्वारा रास्ते से ही अखिल भारतीय करणी सेना के पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गयाठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने बताया की अलीगढ़ नगर निगम द्वारा भी कावड़ियों के लिए कावड़ रूट पर विभिन्न स्थानों पर विश्राम स्थल बनाए गए हैं

शिक्षा का बाजारिकरण बर्दाश्त नहीं: रविन्द्र कुलवंशी

भारत संवाद

सहारनपुर। डा.अंबेडकर स्टूडेंट यूनियन के तत्वावधान में एक बैठक का आयोजन देहरादून रोड स्थित रविदास छात्रावास में किया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 5000 से अधिक सरकारी स्कूलों के मर्जीकरण और लर्निंग बाय डूइंग के नाम पर शिक्षा के बाजारीकरण, निजीकरण व मजदूरी आधारित पाठ्यक्रम के खिलाफ आगामी आंदोलन की रूपरेखा तय करना था।बैठक को सम्बोधित करते हुए यूनियन के संस्थापक रविन्द्र कुलवंशी ने कहा कि यूनियन द्वारा छात्र-छात्राओं के अधिकारों, संविधान और शिक्षा के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन पूरी तरह संवैधानिक और शांति पूर्ण होगा, जिसकी पूर्व अनुमति प्रशासन से ली जाएगी। बैठक को दीपक जाटव, नरेश चंद्रा, डा.ओमप्रकाश अनार्थ ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार का यह काला फरमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने बच्चों की शिक्षा को बचाने के कलिए अभिभावकों से एकजुट होने की अपील की। बैठक में अरशद खान, एडवोकेट सुमित बौद्ध, नंदलाल वर्मा, कुमारी खुशी, राजमणि लामा (ग्राम प्रधान), संजय मालिया, मान्यवर पियूष गौतम, हकीम उवैस अली सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे और आंदोलन को अपना समर्थन दिया। कुमारी अंजनी नौटियाल ने छात्राओं से गांव-गांव में (छात्र पंचायत)लगाने की अपील की ताकि ग्रामीण छात्राएं भी इस जनआंदोलन में अपनी भागीदारी निभा सकें।

सावन में शिव आराधना और रुद्राभिषेक से दूर होगी मानसिक अशांति : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

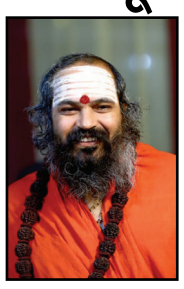

अलीगढ। भगवान शिव को समर्पित अत्यंत पवित्र और पावन महीने की शुरूआत 11 जुलाई से हो चुकी है जो कि एक महीना यानि 9 अगस्त तक चलेगा। इस बार सावन के 4 सोमवार व्रत रखें जाएंगे, भक्तों ने कावड़ यात्रा भी प्रारंभ कर दी है जहाँ शिवालयों में शिव भक्तो की भारी भीड़ देखने को मिलेगी वहीं शिव आराधना हेतु अभिषेक अनुष्ठान आदि भी किये जाएंगे। आज यानि 14 जुलाई को पड़ने वाले सावन के पहले सोमवार को लेकर भक्तों में उत्साह की स्थिति देखने को मिल रही है।वहीं सावन के पहले सोमवार यानि आज 14 जुलाई के महत्व के विषय में ज्योतिर्विद स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने बताया कि वैसे तो पूरा सावन महीना भगवान शिव की आराधना हेतु श्रेष्ठ है वहीं उनके प्रिय दिवस सोमवार को विधि विधान से किया गया अभिषेक अत्यंत फल दायी होता है। मान्यता अनुसार कि सावन के महीने में भगवान शिव और पार्वती की पूजा करने से सभी मनोकामना पूरी होती है। सावन वह दिव्य कालखंड है जिसमें संपूर्ण सृष्टि शिवमय हो जाती है। यह महीना केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, आत्मसमर्पण और शिवभक्ति की एक गहन अनुभूति है। इस मास में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। इस बार पड़ने वाले सोमवार की श्रृंखला में 21,28 जुलाई के बाद 4 अगस्त को पड़ेगा।उन्होंने कहा कि सोमवार को देवाधिदेव महादेव की कृपा प्राप्ति का द्वार माना गया है।सोमवार कि शिव पूजा के महत्व को लेकर स्वामी जी ने बताया कि सावन के सोमवार इसलिए प्रभावशाली होते हैं क्योंकि इस ऋतु में सूर्य का प्रभाव कम और चंद्र का प्रभाव अधिक होता है।चंद्रमा मन के स्वामी हैं, और यही समय मानसिक शुद्धि, भावनात्मक संतुलन और आत्मिक उन्नति के लिए सर्वोत्तम माना गया है। इस दिन श्रद्धापूर्वक किया गया रुद्राभिषेक मन के विकारों को शांत करता है।ग्रह दोषों में विशेषकर चंद्र, राहु, केतु और शनि से संबंधित पीड़ाओं की शांति के लिए सावन सोमवार को किया गया रुद्राभिषेक अत्यंत लाभकारी होता है।कालसर्प योग, जो अनिश्चितता, भय और जीवन में अवरोध का कारण बनता है उसके निवारण के लिए भी यह महीना अत्यंत श्रेष्ठ है।

नेत्रहीन होकर भी आईएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मयंक का हुआ सम्मान

गोपाल शर्मा संवाद गभाना / भारत संवाद

अलीगढ़।प्रतिभा की सफलता किसी भी बाधा के कारण प्रभावित नहीं हो सकती क्योंकि आदि कवि सूरदास जी की वाणी आज भी मनुष्य को शीतलता प्रदान करती है जबकि उत्तर प्रदेश के जनपद अलीगढ़ में भी यहां के लाल के कुछ इसी प्रकार का कमाल करके समूचे विश्व के सामने एक जीता जगता उदाहरण पेश किया है।हम बात कर रहे हैं ग्राम अमरौली के निवासी और एयर फोर्स के वारंट ऑफिसर केसी शर्मा के पुत्र मयंक भारद्वाज के बारे में जिन्होंने जन्मांध होने के बावजूद भी अपनी काबिलियत के बल पर देश की सर्वोच्च परीक्षा को उत्तीर्ण किया है।आपको बता दें कि अब अलीगढ़ के मयंक भारद्वाज आईएस अफसर कहलाएंगे और सम्भवतः अब वह भारत सरकार की नौकरी करते हुए विदेश मंत्रालय में राजदूत बनकर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।खास बात ये है कि मयंक की इस सफलता पर संयुक्त रूप से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें यहां पर कोल विधायक अनिल पाराशर समेत अनेक प्रबुद्ध लोगों ने उन्हें और उनके पूरे परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। सूत्रों की मानें तो मयंक के दादा जी का नाम रामेश्वर दयाल है और इनकी मां सुधा शर्मा हैं इनके अलावा भाई शशांक भारद्वाज एयर फोर्स में फ्लाइट लेफ्टीनेंट है लेकिन इन सबके अलावा मयंक भारद्वाज को इनकी ननिहाल पक्ष से नानी कुसुमा देवी और मामा डॉ.अशोक कुमार और प्रो. प्रवीण शर्मा के साथ साथ राम अवतार शर्मा ने भी हर कदम पर सपोर्ट किया और इसी संघर्ष की बानगी है जो मयंक की तपस्या काम आई और आज पूरा घर परिवार मोहल्ला और गांव ही नहीं अपितु अलीगढ़ जनपद के साथ ये प्रदेश और देश भी भारत मां के इस लाल पर नाज कर रहा है।मयंक की सफलता पर आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में यहां पर सभी ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं और विधायक अनिल पाराशर ने कहा कि मयंक ने निसंदेह संकल्प से ही सिद्धि का रास्ता तय किया है और और वास्तव में वह युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं, इतना ही नहीं विधायक जी ने उम्मीद जताई है कि वह विदेश में भी भारत देश की सनातन संस्कृति के वाहक बनकर अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा बनेंगे।कार्यक्रम में उपस्थित युवा नेता राम अवतार शर्मा ने कहा कि इस समाज में विपरीत परिस्थिति के कारण अच्छे भले लोग आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं तब ऐसे समाज को आईना दिखाते हुए मयंक भारद्वाज ने अतुलनीय कार्य किया है जो कि विप्र समाज के लिए ही नहीं अपितु पूरे विश्व के लिए गौरव की बात है।खास बात ये है कि इस कार्यक्रम के अंत में वरुण चैनल से खास बातचीत करते हुए मयंक ने भी अपने संघर्ष भरे दिनों को साझा किया और कहा कि वास्तव में नेत्रहीन होकर उनके लिए ये सब कर पाना बहुत मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन था लेकिन इसके बाद उन्होंने अपनी बाधाओं को ही अपनी ताकत बनाया और इस चुनौती में घर परिवार ने पूरा संबल प्रदान किया तब जाकर उन्हें इस कठिन लक्ष्य की प्राप्ति हुई और अब उनका सपना है कि इस सरकारी नौकरी में रहकर वह विदेश की धरती पर अपने भारत देश की संस्कृति और सभ्यता को रिप्रेजेंट करें।यहां अलीगढ़ में आदित्य इंपीरियल के कम्युनिटी हॉल में मयंक भारद्वाज का सम्मान करने के लिए आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में यहां पर विद्या सदन इंटर कॉलेज के प्राचार्य अनूप शर्मा के अलावा ओम स्वरूप शर्मा, रामपाल यादव, महेंद्र पाल शर्मा, संजय शर्मा, भगवान स्वरूप शर्मा, वीरेंद्र सिंह, कृष्ण शर्मा, राजकुमार भारद्वाज, करुणेश मोहन दीक्षित और हरिमोहन दीक्षित समेत अनेक लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उ.प्र. उत्तराखण्ड मेडिकल एण्ड सेल्स रिप्रजेन्टेटिव एसो.का वार्षिक अधिवेशन सम्पन

भारत संवाद

सहारनपुर।उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड मेडिकल एण्ड सेल्स रिप्रजेन्टेटिव एसोसिएशन सहारनपुर इकाई का वार्षिक अधिवेशन 2025 सहारनपुर स्थित एक सभागार में आयोजित किया गया। सचिव नन्दन शर्मा ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए इकाई द्वारा वर्ष 2025 में किये गये कार्यों उल्लेख किया। अमित अनेजा कोषाध्यक्ष ने वर्ष में किये गये आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। स्टेट आबजरवर अमरीश शर्मा ने संगठन की आवश्यकता एवं संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सभी सदस्यों से आहवान किया वि संगठन के सभी कार्यक्रमो में अपनी भागीदारी बढ़ाये।नई कार्यकारिणी के लिए चुनावी प्रकिया मे अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ। सचिव, सह सचिव, कोषाध्य एवं कार्यकारिणी सदस्य निविरोध चुने गये गई। जिसमे अध्यक्ष गौतम जोशी, उपाध्यक्ष नन्दन शर्मा, प्रवेश कुमार, सचिव रजनीश चैहान, सह सचिव नितिन अग्रवाल, राहुल धीमान, कोषाध्यक्ष अनुराग भटनागर को चुना गया।

रालोद की बैठक आहूत

भारत संवाद

सहारनपुर। राष्ट्रीय लोकदल नारी शक्ति संगठन की महत्वपूर्ण बैठक पार्टी के दिल्ली रोड स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई जिसमें महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती परिणीता सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शाहजमां खान ने की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती परिणीता सिंह का पार्टी कार्यकताओं ने मालाऐ पहनाकर जोरदार स्वागत किया श्रीमती परिणीता सिंह ने श्रीमती प्रियंका सिंह को सहारनपुर जनपद की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष का मनोरंजन पत्र सोपा एवं उनको राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण कराई इस अवसर पर उपस्थित महिला एवं पुरुष कार्यकताओं को संबोधित करते हुए श्रीमती परिणीता सिंह ने कहा कि आज राष्ट्रीय लोकदल की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ती जा रही है राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री माननीय जयंत चैधरी जी के कुशल नेतृत्व में पार्टी के साथ महिला वर्ग भी बहुत तेजी के साथ जुड़ रहा है आज पार्टी केंद्र में एवं प्रदेश में सत्ता में भागीदार है इसलिए सभी कार्यकताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वह सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक जनता को दिलाकर पार्टी के साथ जोड़ने का काम करें

एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट एसो. के नवनियुक्त पदाधिकारियो का हुआ जोरदार स्वागत

भारत संवाद

सहारनपुर। एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट एसोसिएशन सहारनपुर में मोहम्मद मुस्तकीम अंसारी को अध्यक्ष, अमित कुमार को सचिव, समीर खान को कोषाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर नवनियुक्त पदाधिकारियो का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट एसोसिएशन, सहारनपुर के नवनियुक्त सचिव अमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद सहारनपुर में एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट खेल को बढ़ावा देने लिए एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट एसोसिएशन सहारनपुर का गठन किया गया। जिसमें सहारनपुर के मोहम्मद मुस्तकीम अंसारी को अध्यक्ष, अमित कुमार को सचिव, समीर खान को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उन्होने बताया कि एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट संघ सहारनपुर को एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट उत्तर प्रदेश से सदस्यता दी गई है। एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट एसोसिएशन सहारनपुर के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्तकीम अंसारी ने कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हे सौपी गई है उस पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करेंगे।डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, सहारनपुर मे आयोजित कार्यक्रम में एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट एसोसिएशन सहारनपुर के अध्यक्ष मोहम्मद मुस्तकीम अंसारी, सचिव अमित कुमार, कोषाध्यक्ष समीर खान का एथलेटिक्स कोच लाल धर्मेंद्र प्रताप व खेल प्रशिक्षको के द्वारा माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। एमेच्योर 50-बॉल्स क्रिकेट एसोसिएशन, सहारनपुर के नवनियुक्त पदाधिकारियों को सहारनपुर मंडल ओलम्पिक संघ के सचिव डॉक्टर अशोक कुमार गुप्ता, मनोज कुमार सिंधी, पुण्य गर्ग, मुकुल चैधरी, अशोक सक्सेना, एथलेटिक्स कोच लाल धर्मेंद्र प्रताप, सरिता प्रजापति, नौरीन जहां, राजेंद्र कुमार, विष्णु चाहर, मोहम्मद शाकिर, अनन्या अग्रवाल, अनन्या कटारिया, तंजीम फातिमा, फैसल राव, कुमारी उनमानी ने शुभकामनाएं देकर खुशी व्यक्त की।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

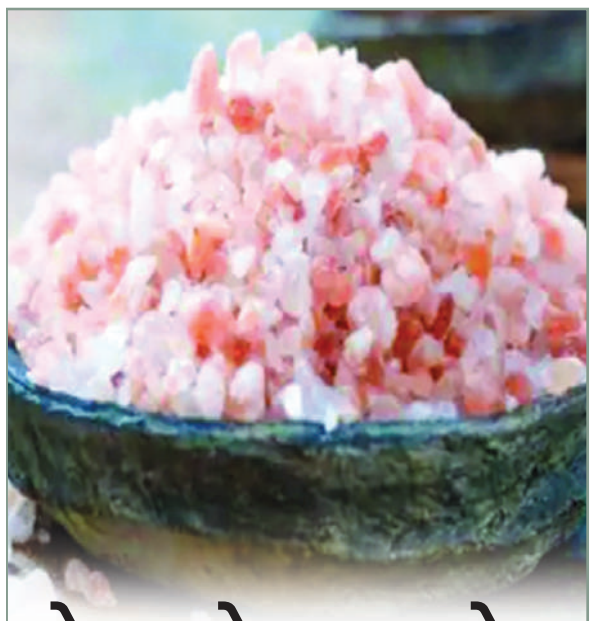

सेहत के मामले में बहुत गुणकारी है सेंधा नमक

भारतीय घरों में सेंधा नमक का इस्तेमाल खूब किया जाता है। आमतौर पर व्रत के खाने में इसे इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के मामले में भी यह नमक बहुत गुणकारी है। सेंधा नमक का प्रयोग आयुर्वेद में सालों से उपचार के लिए किया जाता रहा है। एक हालिया अध्ययन की मानें तो यह नमक पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है। अगर आपको पाचन की समस्या है या सर्दी लगी है तो सेंधा नमक की मदद से आप आराम पा सकते हैं।

सामान्य नमक में दो तत्व खासतौर पर पाए जाते हैं- सोडियम और क्लोराइड. जबकि सेंधा नमक आयरन, जिंक, निकेल, कोबाल्ट, मैग्नीज, कॉपर रिच होता है जो हमारी सेहत के लिए जरूरी तत्व हैं। इसके अलावा अनिद्रा की शिकायत को दूर करने में भी यह नमक मददगार है। सेंधा नमक में पाए जाने वाले मिनरल्स व्यक्ति को कई रोगों से दूर रखने में मदद करते हैं। यह नमक पाचक रसों का निर्माण करता है, इसलिए यह पाचन को दुरुस्त रखने का काम भी करता है। सेंधा नमक का उपयोग करने से ब्लड प्रेशर के उपचार, कब्ज, अपच, गैस व सीने में जलन जैसी कई बीमारियों के लक्षणों को भी कम करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही सेंधा नमक के कुछ गजब के फायदे।

ब्लडप्रेशर करे कंट्रोल
सेंधा नमक हाई ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है जिससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम रहता है।

स्ट्रेस करता है कम
सेंधा नमक स्ट्रेस कम करने में भी मदद करता है। इतना ही नहीं यह सेरोटोनिन और मेलाटोनिन हार्मोन्स का बैलेंस बनाएं रखता है जो तनाव से लड़ने में मदद करते हैं।

बॉडी पेन करता है कम
सेंधा नमक मांसपेशियों के दर्द और ऐंठन के साथ ही ज्वाइंट्स पेन को भी कम करने का काम करता है।

साइनस में दे राहत
साइनस के दर्द से छुटकारा पाने के लिए सेंधा का सेवन फायदेमंद रहता है। अगर आपको स्टोन की प्राब्लम है तो सेंधा नमक और नींबू को पानी में मिलाकर पीने से कुछ ही दिनों में पथरी गलने लगती है।

अस्थमा को करे दूर

अस्थमा, डायबिटीज और आर्थराइटिस के मरीजों के लिए सेंधा नमक का सेवन काफी फायदेमंद होता है। नींद न आने की समस्या में भी सेंधा नमक काफी फायदेमंद होता है।

गले की खराश के लिए सेंधा नमक
सेंधा नमक में डिकंजेस्टेंट गुण हो सकते हैं, जो गले में फंसे बैक्टीरिया युक्त बलगम को पतला कर उसे शरीर से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह खांसी की समस्या से भी राहत दिला सकता है। गले में खराश की समस्या दूर करने के लिए सेंधा नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे किए जा सकते हैं।

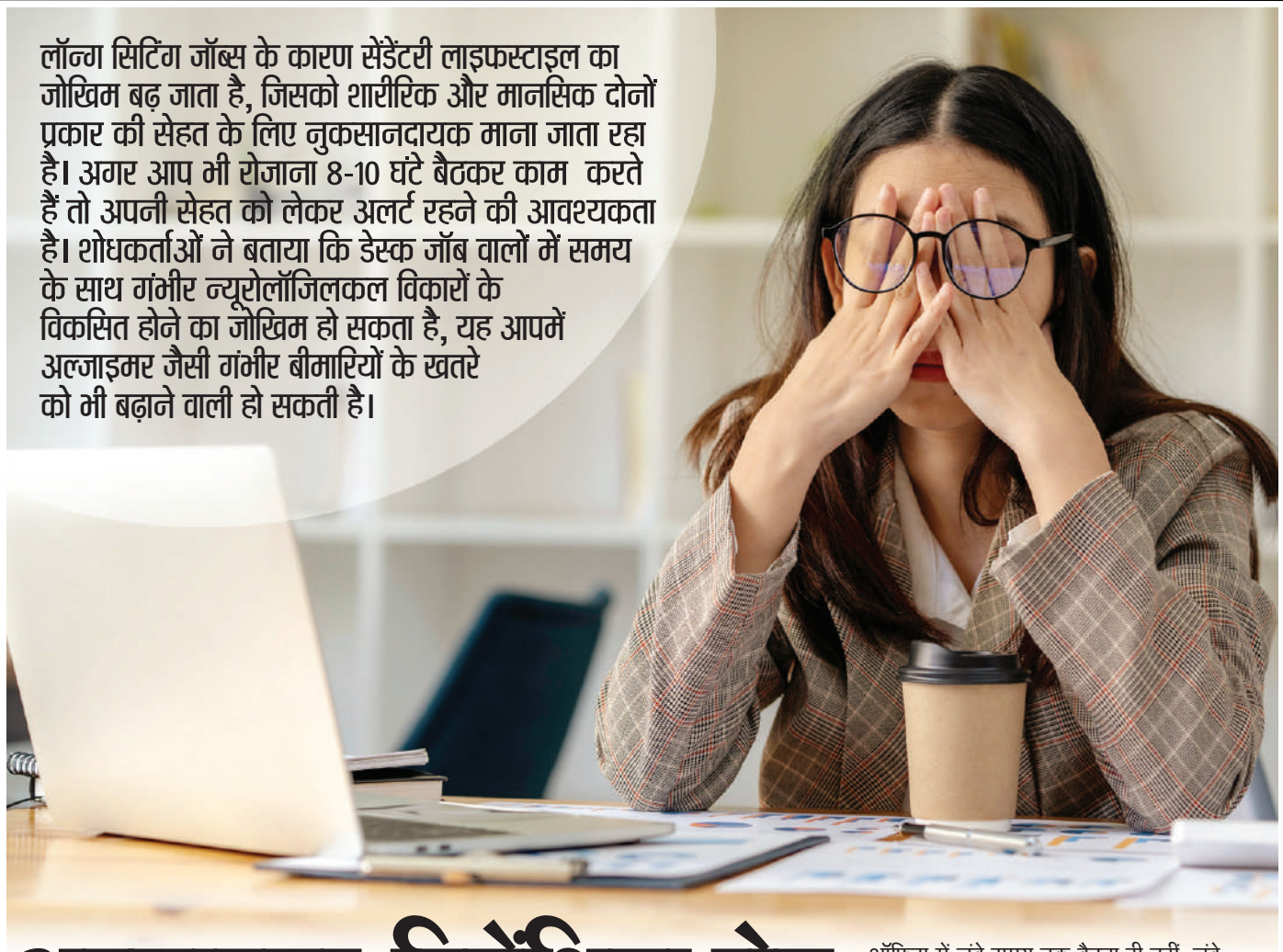

लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

अल्जाइमर-डिमेंशिया रोग का खतरा बढ़ा रही है 8-10 घंटे की डेस्क जॉब

डेस्क जॉब या लंबे समय तक एक स्थान पर बैठकर काम करते रहने की आदत को पहले के अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाला बताया गया है। लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक है, आमतौर पर इसका जोखिम 60 की उम्र के बाद वाले लोगों में देखा जाता रहा है। हालांकि इस शोध में बताया गया है कि जॉब करने वाले लोगों में भी इस रोग का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और डिमेंशिया का खतरा
कुछ दशकों पहले तक वयस्कों में डिमेंशिया या अल्जाइमर रोग के खतरे को न के बराबर माना जा रहा था, हालांकि समय के साथ इस आयु वर्ग में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ते हुए देखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्तमान में 55 मिलियन लोग अल्जाइमर-डिमेंशिया से पीड़ित हैं। लाइफस्टाइल की समस्याओं के चलते इस तरह की समस्याओं को जोखिम और भी बढ़ गया है। इससे संबंधित प्रकाशित अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अगर आप रोजाना 10 घंटे से अधिक की सिटिंग जॉब करते हैं तो ये स्थिति आपमें डिमेंशिया के विकसित होने का कारण हो सकता है।
गतिहीन व्यवहार संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक लेखकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी लोगों के दिन का करीब साढ़े नौ घंटे से अधिक का समय बैठे हुए बीतता है और ये आदत संज्ञानात्मक और संरचनात्मक मस्तिष्क की उम्र बढ़ने से जुड़ी हुई है। गतिहीन व्यवहार में सिर्फ ऑफिस में लंबे समय तक बैठना ही नहीं, लंबे समय तक बैठकर टेलीविजन देखना, कंप्यूटर पर काम करना और गाड़ी चलाना भी इसमें शामिल है।

अध्ययन में क्या पता चला?
गतिहीन व्यवहार किस प्रकार से मस्तिष्क के लिए समस्याकारक है, इसको जानने के लिए शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से डेटा एकत्र किया। प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए अपनी कलाई पर एक्सेलेरोमीटर पहनने के लिए कहा गया। फिर एकत्र किए गए डेटा पर एक मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषण किया गया ताकि यह आकलन किया जा सके कि वे कितने गतिहीन थे।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?
डिमेंशिया के जोखिमों के बारे में अध्ययनकर्ता डॉ. कोहेन कहती हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को पहले से ही कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता था, जिसमें मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं थीं, इसके कारण अब डिमेंशिया का जोखिम भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। शारीरिक निष्क्रियता, वैस्कुलर हेल्थ के लिए भी हानिकारक है, ये मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को कम करके सेरेब्रोवास्कुलर रोग होने की आशंका को बढ़ा सकती है।

दिमाग को रखना हैं शांत तो खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुना होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफूड के तौर पर भी किया जाता है। वहीं इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

दिमाग बनाए शांत
इसके बीजों में ट्रीप्टोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता हैं। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता हैं।

ह्रदय रोगों से बचाएं
सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता हैं।

पाचन क्रिया में मदद
इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता हैं। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती हैं।

हड्डियों को रखे मजबूत
सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की सरंचना करने में मदद करता हैं।

बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं वाइट ब्लड सेल्स

सफेद रक्त कोशिकाएं यानी वाइट ब्लड सेल्स खून में पाई जाने वाली ब्लड सेल्स हैं, जो बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं। इनका काम शरीर में ब्लड प्रेशर मेंटेन रखना, खून को साफ रखना और इन्फेक्शन से लड़ना है। इतना ही नहीं, यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं, खून में मौजूद गंदगी को हटाती हैं, संक्रमण को मारकर उन्हें बाहर निकालती हैं। शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की कमी से आपको संक्रमण बढ़ने, बुखार, त्वचा की समस्याएं, बैक्टीरियल ब्लड इन्फेक्शन, दर्द और सूजन, खून की रुकावट, अस्थमा, कमजोरी, थकान आदि जैसे लक्षण और समस्याएं हो सकती हैं। यदि आपको इन लक्षणों में से कुछ दिखाई देते हैं या यदि आपको लगता है कि आपकी सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो सकती है, तो आपको अपने चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। खाने-पीने की कुछ चीजों के सेवन से आपको शरीर में वाइट ब्लड सेल्स बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

संतरा - संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या बढ़ा सकता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है। संतरा एंटीऑक्सीडेंट का भी खजाना है और इसके सेवन से WBC बढ़ती हैं।

आम - आम में भरपूर मात्रा में विटामिन ष्ट होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ा सकता है। 1 कप (165 ग्राम) आम आपकी दैनिक विटामिन सी की जरूरत पूरी करता है। इससे सफेद रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं।

अमरूद - अमरूद भी विटामिन सी का बढ़िया स्रोत होता है और सफेद रक्त कोशिकाओं की मात्रा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा अमरूद ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है।

अदरक - अदरक में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की सुरक्षा कर सकते हैं और उन्हें बढ़ाने का काम करते हैं। अदरक के सेवन से ऑटोइम्यून बीमारियों वाले लोगों में सूजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

ब्रोकली - ब्रोकली में विटामिन सी, बी6, और ए विटामिन की अच्छी मात्रा होती है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ब्रोकोली के सेवन से इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इनके अलावा पालक, लहसुन, किशमिश, दही और खजूर जैसी चीजों के सेवन से भी वाइट ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

अगर आप भी वजन कम करने वाली दवाएं लेते हैं तो हो जाएं सावधान

लोग फिट रहने और वजन कम करने के लिए दवाएं तक लेने से नहीं चूकते और वे यह भूल जाते हैं कि ये दवाएं घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं। यानी मोटापा कम करने वाली दवाओं के सेवन से अतिरिक्त प्रभाव भी होते हैं, जिनसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वजन कम करने के लिए दवाओं के सेवन से बेहतर होगा कि आप अन्य फंडे अपनायें, जैसे आप कम वसा वाली खुराक ले सकते हैं, बिना रिफाइन किया हुआ आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानें, मोटापा कम करने वाली दवाइयां लेने से क्या नुकसान हो सकते हैं।

- मोटापा कम करने वाली दवाओं के प्रयोग से आंतों में वसा नहीं जमती और वसा मल के साथ निकल जाती है, यानी आपको उतनी ऊर्जा नहीं मिलती जो कि आमतौर पर किसी चीज को खाने से मिलती है और फलस्वरूप आप दुबले होने लगते हैं।
- इन दवाओं के सेवन से लीवर को नुकसान होता है। दरअसल, गुर्दों को नुकसान पहुंचने का कारण आंतों में ऑक्सेलिक अम्ल का अधिक जमाव होना है, जिससे गुर्दे खराब हो सकते हैं।
- शोधों में भी साबित हो चुका है कि मोटापा कम करने वाली दवाएं पैंक्रियाज (अग्न्याशय) को भी नुकसान पहुंचाती है।
- इन दवाओं से सिर्फ गुर्दों को नुकसान ही नहीं पहुंचता बल्कि गुर्दों में पथरी की शिकायत होने की आशंका भी बढ़ जाती है।
- यह दवाएं आपका मोटापा तो शायद कम न कर पाए, लेकिन आपको उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के साथ ही याददाश्त में कमी यानी आपकी स्मरण शक्ति को कमजोर करने जैसी गंभीर बीमारियों को अवश्य बढ़ा देती है।
- आमतौर पर लोग मोटापा कम करने वाली दवाओं के विज्ञापन देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन दवा कंपनियों द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन भविष्य में आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं।
- यदि आप वजन घटाने के लिए किसी दवा का सेवन करना भी चाहते हैं तो किसी विशेषज्ञ या डॉक्टर के परामर्श बिना मोटापा घटाने वाली दवाओं का सेवन न करें।
- वजन कम करने वाली दवाओं से निद्रा, अवसाद, तनाव रहना, शारीरिक कमजोरी जैसी बीमारियों से ग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है।
- डॉक्टर्स की मानें तो मोटापा कम करने का सरल व सस्ता उपाय है नियमित सैर करना। यानी आप नियमित रूप से सैर करके अपने वजन को आसानी से कम कर सकते हैं। या फिर आप बैलेंस डाइट लेकर भी वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।
- इतना ही नहीं युवा वजन घटाने के लिए वेट लूज इंजेक्शंस और कैप्सूल्स तक का इस्तेमाल करते हैं। वेट लूज करने वाली ड्रग्स में क्रोमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जो मधुमेह रोगियों को दिया जाता है।
- आमतौर पर 20 मिनट तक वर्कआउट करने के बाद शरीर की वसा जलनी शुरू होती है, क्योंकि इससे पहले कार्बोहाइड्रेट बर्न होता है।

अमेरिका ने चीन पर हमला किया तो कौन साथ देगा

ट्रम्प प्रशासन ने सहयोगी देशों से पूछा- जापान खामोश, ऑस्ट्रेलिया बोला- काल्पनिक सवालों का जवाब नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका ने ताइवान को लेकर चीन से संभावित जंग की स्थिति में अपने सहयोगी देशों का रवैया जानने के लिए ऑस्ट्रेलिया और जापान से बातचीत की है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका के रक्षा विभाग के एक बड़े अधिकारी एल्ब्रिज कॉल्बी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और जापान के रक्षा अधिकारियों से इस बारे में कई जरूरी मीटिंग की हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने साफ कहा कि वह अभी यह नहीं कह सकता कि अगर ताइवान को लेकर जंग होती है तो वह अमेरिका के साथ होगा या नहीं। वहीं, जापान की ओर से इस पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अमेरिकी अधिकारी कोल्बी ने कहा कि यूरोप और एशिया में अमेरिका के सहयोगी देश अपनी सेनाओं पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। ट्रम्प की प्लान

इन देशों में सफल हुआ है। कोल्बी ने कहा कि कुछ देश खुल कर इस बातचीत से बचना चाहते हैं। लेकिन हाल ही में हेग में हुए नाटो समिट के बाद कई देशों ने यह समझा है कि अब मिलकर काम करना जरूरी हो गया है, और वे ऐसा कर भी रहे हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरोय ने कहा कि उनका देश ऐसे 'काल्पनिक हालातों' पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं करता। हालांकि, कॉनरोय ने चीन की सैन्य गतिविधियों पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि चीन प्रशांत द्वीप में मिलिट्री बेस बनाने की कोशिश कर रहा है, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए ठीक नहीं है। ऑस्ट्रेलिया इस क्षेत्र में सुरक्षा साझेदार बनना चाहता है और इसके लिए बातचीत कर रहा है। आस्ट्रेलियाई मंत्री का यह बयान सिडनी हार्बर में अमेरिका के साथ देश के सबसे बड़े युद्ध अभ्यास से पहले आया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज शनिवार को चीन की 6 दिन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे हैं। चीन पहुंचने के बाद पीएम अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, ताइवान पर कोई बात नहीं करेगा। उनका मकसद ऑस्ट्रेलिया और चीन के बीच व्यापार को मजबूत करना है। इस यात्रा के दौरान अल्बनीज चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, प्रधानमंत्री ली कियांग और संसद के अध्यक्ष झाओ लेजी से भी मिलेंगे।

साल 2022 में सत्ता में आने के बाद अल्बनीज की यह दूसरी चीन यात्रा है। उनकी सरकार ने चीन के साथ बिगड़े हुए रिश्तों को सुधारने के लिए काम किया है। पिछली ऑस्ट्रेलियाई सरकार के समय चीन ने कई व्यापारिक पाबंदियां लगा दी थीं, जिससे ऑस्ट्रेलिया को हर साल अरबों डॉलर का नुकसान हुआ था।

लेकिन अल्बानीज ने कुछ प्रमुख व्यापारिक रुकावटें हटवाने में सफलता पाई है। अल्बनीज चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से चीन पर निर्भर न रहे, इसलिए उन्होंने भारत, इंडोनेशिया और आसियान देशों के साथ व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने पर जोर दिया है।

उन्होंने कहा कि चीन के साथ हमारे रिश्ते जरूरी हैं, लेकिन जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ भी हमारे मजबूत रिश्ते हैं।

रूस ने अमेरिका, साउथ कोरिया और जापान को चेतावनी दी

कहा- नॉर्थ कोरिया के खिलाफ सैन्य गठबंधन न बनाएं

एजेंसी

प्योंगयांग, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका, साउथ कोरिया और जापान को चेतावनी दी है कि वे नॉर्थ कोरिया को निशाना बनाकर कोई सिक्योरिटी अलायंस या सैन्य गठबंधन न बनाएं। लावरोव नॉर्थ कोरिया के शहर वॉनसान में थे। इस दौरान वे नॉर्थ कोरियाई नेता किम जोंग उन से मिले। इसके अलावा उन्होंने नॉर्थ कोरिया की विदेश मंत्री चोई सोन भी मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद लावरोव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमेरिका, साउथ कोरिया और जापान नॉर्थ कोरिया के चारों तरफ सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहे हैं। लावरोव तीन दिन

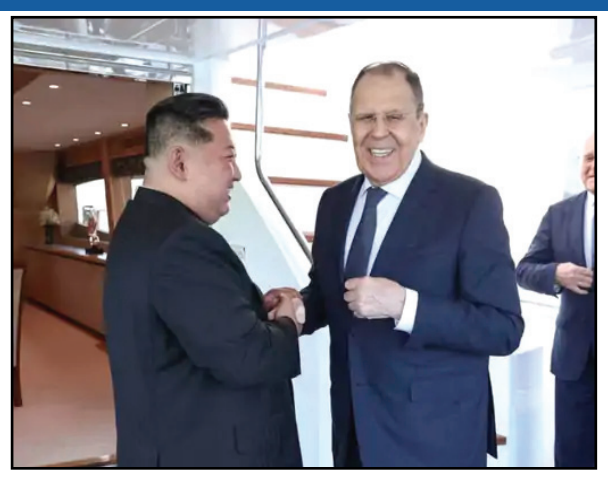

की यात्रा पर शुक्रवार को नॉर्थ कोरिया पहुंचे थे। शनिवार को उन्होंने अपने नॉर्थ कोरियाई समकक्ष चोई सोन हुई से मुलाकात की। लावरोव ने कहा कि रूस समझता है कि नॉर्थ कोरिया क्यों परमाणु हथियार विकसित कर रहा है। रूसी एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक लावरोव ने यूक्रेन जंग की स्थिति को लेकर भी कोरियाई नेताओं से बात की। नॉर्थ कोरिया ने रूस को यूक्रेन जंग में सैनिक और हथियार मुहैया कराए हैं। इसके बदले में नॉर्थ कोरिया को रूस से सैन्य और आर्थिक मदद मिली है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया रूस की सैन्य कार्रवाई में मदद के लिए 25 से 30 हजार सैनिक और भेजने की तैयारी में है। पिछले साल उसने करीब 11 हजार सैनिक रूस भेजे थे। नॉर्थ कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, किम जोंग उन ने रूस-यूक्रेन जंग में रूस की कार्रवाइयों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्योंगयांग और मास्को की रणनीतिक मुद्दों पर एक जैसी सोच है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन पिछले साल नॉर्थ कोरिया के दौरे पर थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच एक नई डीफेंस डील हुई। डील के मुताबिक अब अगर किसी भी देश ने उत्तर कोरिया या फिर रूस पर हमला किया तो उसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा।

ऐसे में दोनों देश मिलकर लड़ेंगे। किम जोंग उन ने नए डिफेंस डील को एलायंस नाम दिया है।नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हुई इस डिफेंस डील का साउथ कोरिया ने विरोध भी किया था। साउथ कोरिया, अमेरिका और अन्य देशों को आशंका है कि रूस नॉर्थ कोरिया को ऐसी संवेदनशील तकनीक दे सकता है जिससे उसके परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को बढ़ावा मिल सकता है।

ईरान के राष्ट्रपति इजराइली हमले में घायल हुए थे

मीटिंग के दौरान इजराइली सेना ने 6 मिसाइलें दागीं, इमरजेंसी गेट से भागे

एजेंसी

तेहरान, ईरान और इजराइल के बीच पिछले महीने 12 दिनों तक जंग हुई थी। इस दौरान 16 जून को इजराइल के हमले में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान घायल हो गए थे। ईरानी न्यूज एजेंसी फार्स ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल ने 16 जून को तेहरान के पश्चिमी हिस्से में एक इमारत पर 6 मिसाइलों से हमला किया था। उस समय इमारत में देश की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी कैबिनेट की बैठक चल रही थी। बैठक में राष्ट्रपति पजशकियान के साथ ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम-हुसैन मोहसेनी एजेई और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। हालांकि ये सभी इमारत की निचली मंजिल में मौजूद थे, इसलिए हमले का उन पर बहुत असर नहीं हुआ। लिहाजा सभी इमरजेंसी गेट से भागने में कामयाब रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल, राष्ट्रपति पजशकियान को नसरल्लाह की तरह मारना चाहता था। इजराइल ने 1 अक्टूबर 2024 को बेरूत में नसरल्लाह के सीक्रेट बंकर पर हमला किया था। वह हिजबुल्लाह के टॉप कमांडरों के साथ मीटिंग कर रहे थे। 64 साल के नसरल्लाह की जहरीले धुएं में दम घुटने से मौत हो गई थी। इस बार भी इजराइली मिसाइलों ने खास तौर पर इमारत के आने-जाने के रास्तों और वेंटिलेशन सिस्टम को निशाना बनाया था, ताकि अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने से रोका जा सके

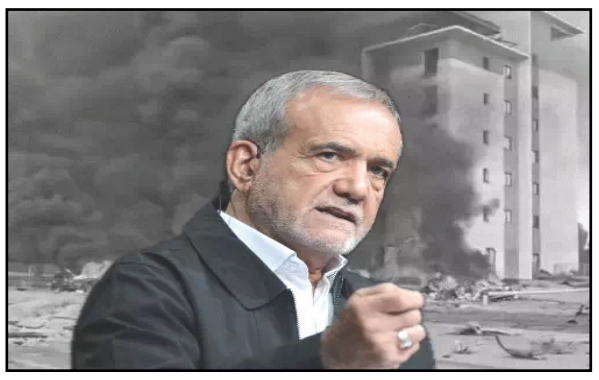

और उन्हें दम घोंटू माहौल में फंसाया जा सके। हमले के बाद इमारत की बिजली भी काट दी गई, लेकिन वहां पहले से बनाए गए एक इमरजेंसी गेट की मदद से राष्ट्रपति और बाकी बड़े अधिकारी बाहर निकलने में सफल रहे। भागने के दौरान राष्ट्रपति पजशकियान के पांव में चोट लग गई थी। वहीं, दूसरे अधिकारियों को भी हल्की चोटें आईं। कुछ दिन बाद, राष्ट्रपति पजशकियान ने 7 जुलाई को दिए एक इंटरव्यू में यह साफ तौर पर कहा था कि इजराइल ने उन्हें मारने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रहा। राष्ट्रपति ने अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन को बताया कि इजराइली सेना ने जासूसों की मदद से उस जगह की जानकारी हासिल की, जहां वे बैठक कर रहे थे और फिर उसी जगह बमबारी की। फार्स एजेंसी ने बताया कि इजराइल के पास उस इमारत के बारे में जो सटीक जानकारी थी, वह बहुत चौंकाने वाली है। इसलिए ईरानी अधिकारी अब यह जांच कर रहे हैं कि कहीं इजराइल को अंदर से कोई जानकारी तो नहीं मिली। हालांकि रिपोर्ट में हमले की सटीक जगह नहीं बताई गई, लेकिन ईरान इंटरनेशनल नाम की एक स्वतंत्र मीडिया संस्था ने यह दावा किया कि 16 जून को तेहरान के शाहरक-ए-गर्ब इलाके में इमारत पर हमला हुआ था। उसी संस्था की एक और रिपोर्ट में आईआरजीसी के जनरल मोहसेन रेजाई के हवाले से बताया गया कि इजराइल ने वास्तव में उस स्थान पर हमला किया था जहां राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक चल रही थी।

हालांकि इसमें किसी भी अधिकारी को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा। इजराइल और ईरान के बीच चले 12 दिन लंबे युद्ध में इजराइल ने कई टॉप ईरानी सैन्य कमांडरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया था। न्यूक्लियर प्रोग्राम को रोकने के लिए इजराइल का हमला इजराइल की ओर से यह हमले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर 60 दिनों की डेडलाइन देने के एक दिन बाद शुरू हुए।

पाकिस्तान में इमरान की रिहाई के लिए आंदोलन शुरू

पीटीआई पार्टी नेताओं ने लाहौर में बैठक की; 5 अगस्त को चरम पर होगा

एजेंसी

लाहौर, पाकिस्तान में विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने अपने संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। शनिवार को पार्टी के शीर्ष नेता लाहौर पहुंचे, जहां से यह आंदोलन औपचारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गांदापुर ने इसे आंदोलन की आधिकारिक शुरूआत बताया और कहा कि

5 अगस्त तक यह प्रदर्शन चरम पर पहुंचाया जाएगा। शनिवार को पीटीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान, केपी के सीएम गांदापुर, और पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता मलिक अहमद खान भचर लाहौर पहुंचे। इससे पहले इस्लामाबाद में पार्टी नेताओं की बैठक हुई, जिसमें पंजाब विधानसभा से निलंबित 26 विधायकों की स्थिति और आंदोलन की रणनीति पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इमरान खान को बिना किसी वैध वजह के जेल में रखा गया है। गांदापुर ने सभी प्रांतों में स्थानीय मुद्दों के आधार पर प्रदर्शन तेज करने की मांग की। प्रदर्शन से पहले ही पंजाब पुलिस ने शाहदरा मोड़ और अन्य इलाकों में पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के घरों पर छापे मारे और 5 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। पाकिस्तान की एक कोर्ट ने 16 जनवरी को को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के मामले में सजा सुनाई थी। डॉन की खबर के मुताबिक इमरान को 14 और बुशरा को 7 साल की सजा मिली। दोनों पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रूपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे थे। दोनों ने बुशरा बीबी के अल-कादिर ट्रस्ट के लिए पाकिस्तान सरकार की अरबों रुपए की जमीन सस्ते में बेच दिया था। इस मामले में इमरान को 9 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था।

हरियाणा के नूंह में 24 घंटे के लिए इंटरनेट बंद

ब्रजमंडल यात्रा को लेकर सरकार ने दिए आदेश; बल्क रटर पर भी रोक रहेगी

एजेंसी

नूंह, हरियाणा के नूंह (मेवात) में कल होने वाली ब्रजमंडल यात्रा को देखते हुए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। इस दौरान बल्क रटर की सेवाएं भी सस्पेंड रहेंगी। यह आदेश 13 जुलाई की रात 9 बजे से 14 जुलाई रात 9 बजे तक यानी 24 घंटे के लिए लागू रहेंगे। हालांकि इस दौरान बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज से जुड़ी रटर सुविधाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव के मुताबिक कानून व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए यह आदेश दिए गए हैं।वहीं सरकार ने हिंसा के आरोपी रहे फरीदाबाद के हिंदू संगठन के नेता बिट्?टू बजरंगी के भी यात्रा में शामिल होने पर रोक लगा दी है। नूंह प्रशासन ने उसे इजाजत नहीं दी है। जिसको लेकर बिट्?टू बजरंगी ने हाईकोर्ट में भी याचिका दायर कर रखी है।बता दें कि साल 2023 में ब्रजमंडल यात्रा के दौरान नूंह में हिंसा हो गई थी। जिसमें कुछ लोगों की मौत भी हुई थी। इसके बाद कल (14 जुलाई) को होने वाली यात्रा को लेकर कोई अफवाह न फैलें, इस वजह से सरकार ने पाबंदी लगाई है।इसके अलावा उट नायब सैनी ने यात्रा के रूट पर आने वाली मीट की दुकानें और मीट की फैक्ट्री भी बंद रखने के ऑर्डर जारी किए हैं। सुरक्षा के लिहाज से ढ़ाई हजार पुलिसकर्मियों

नूंह में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नूंह में सोमवार को होने वाली ब्रजमंडल यात्रा को लेकर भारी वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। विभिन्न स्थानों से नूंह आने वाले भारी वाहनों को ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा समाप्त होने के बाद ही नूंह लाने को कहा गया है।

यात्रा के दौरान उन्हें नूंह में एंट्री की परमिशन नहीं मिलेगी। इसके अलावा ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। नूंह में सुरक्षा के लिए घुड़सवार पुलिस भी तैनात की गई है। इसके अलावा पुलिस के साइबर सैल नूंह में होने वाली ऑनलाइन व खासतौर पर सोशल मीडिया एक्टिविटीज पर नजर रख रहा है।

की तैनाती की गई है। इसके अलावा इस बार नाके भी बढ़ाए गए हैं।नूंह पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की।ब्रजमंडल यात्रा में कोई खलल न पड़े और लोगों को भी कोई असुविधा न हो, इसके लिए रूट डायवर्ट किए गए हैं। अलवर से गुरुग्राम या सोहना की ओर जाने वाले भारी वाहनों को अब फिरोजपुर झिरका के अम्बेडकर चौक से मुम्बई एक्सप्रेस-वे होते हुए केएमपी और रेवासन के रास्ते गुरुग्राम या सोहना भेजा जाएगा। वहीं, गुरुग्राम या सोहना से अलवर की दिशा में जाने वाले वाहनों को केएमपी रेवासन से मुम्बई एक्सप्रेस-वे होते हुए अम्बेडकर चौक, फिरोजपुर झिरका से होते हुए अलवर भेजा जाएगा। तावडू से अलवर की ओर जाने वाले भारी वाहनों के लिए भी यही मार्ग निर्धारित किया गया है, वे केएमपी रेवासन से मुम्बई एक्सप्रेस-वे और फिर अम्बेडकर चौक होते हुए अलवर की ओर जाएंगे।

मायावती ने भाषाई और जातीय हिंसा पर जताई चिंता

कहा- देशवासियों को भारतीयता पर गर्व करना चाहिए

पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती ने यहां केंद्रीय कैंप कार्यालय में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल की संगठनात्मक तैयारी और जनाधार बढ़ाने समेत कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर गहन समीक्षा बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने कुछ राज्यों में भाषा को लेकर विवाद और हिंसा पर चिंता जाहिर करते हुए रविवार को इसे घातक प्रवृत्ति बताया और कहा कि धर्म, क्षेत्र, जाति व भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति पर हावी होने का प्रयास करती है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हर भारतीय को भारतीयता पर गर्व करके कार्य करना चाहिए। संकीर्ण उद्देश्यों के लिए भाषा और जातीय हिंसा आदि मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए

मायावती ने केंद्र और राज्य की सरकारों से कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य आदि जैसे जनहित के जरूरी मुद्दों पर खास ध्यान देने की मांग की। मायावती ने खासतौर से महाराष्ट्र और तमिलनाडु आदि राज्यों में भाषाई विवाद व उसको लेकर हिंसा पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा, ऐसी प्रवृत्ति घातक है और यह सब तब होता है जब धर्म, क्षेत्र, जाति व भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति व उनके देश प्रेम पर हावी होने का प्रयास करती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है, जहां से सभी राज्यों के लोगों का सीधा वास्ता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपेक्षा की कि मुंबई में रहने वाले लोगों की जान माल और मजहब की सुरक्षा की गारंटी सरकार को जरूर सुनिश्चित करनी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी और उसकी सरकार के भीतर राजनीतिक गुटबाजी टकराव से उत्पन्न अस्थिरता के माहौल की ओर संकेत करते हुए कहा कि इससे कानून का राज प्रभावित हो रहा है।उन्होंने कहा कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व केरल में हालांकि अलग-अलग पार्टी व गठबंधन की सरकार हैं लेकिन वहां भी सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की स्थिति कोई अलग और बेहतर नहीं है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, (वे) हर मुसीबत के समय पूरी निष्ठा के साथ अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की मदद जरूर करें, क्योंकि मजलूम ही मजलूम का सही मददगार हो सकता है, वरना राजनीतिक स्वार्थ के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाले लोगों की कोई कमी नहीं है।

भूमिहीनों के बहुसंख्यक हिंदू-असमिया मुसलमानों के क्षेत्रों में बसने के पीछे हो सकती है साजिश:हिमंत

मुख्यमंत्री ने कहा, चाहे यह साजिश हो या गरीबी या इसके पीछे राजनीतिक लोग हों, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वनों सहित विभिन्न स्थानों पर लगभग 8 लाख बीघा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया है।

एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि भूमि कटाव से प्रभावित और भूमिहीन लोगों के अपने मूल स्थानों से 200-300 किलोमीटर दूर जाकर उन क्षेत्रों में बसने के पीछे एक षड्यंत्र हो सकता है, जहां हिंदू या असमिया मुस्लिम बहुसंख्यक हैं।\ शर्मा ने यह भी कहा कि जिन स्थानों पर उनकी सरकार ने अतिक्रमण की गयी भूमि को हटाने के लिए अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया था वहां लोगों के इस तरह के पलायन के कारण जनसांख्यिकीय संतुलन खतरे में पड़

गया है।अतिक्रमण रोधी अभियान में हटाए गये लोगों में से अधिकांश बांग्ला भाषी मुसलमान हैं। शर्मा ने कहा, हमारा मुद्दा यह है कि वे 200-300 किलोमीटर दूर उन जगहों पर क्यों जा रहे हैं जहां हिंदू या असमिया मुसलमान रहते हैं। नतीजतन हमारे लोग असुरक्षा से जूझ रहे हैं। इसलिए मुद्दा सिर्फ अतिक्रमण रोधी अभियान का नहीं है, बल्कि इसके साथ ही हमें अल्पसंख्यक बनाने की एक छिपी हुई साजिश का भी है।

तमिलनाडु में टीवीके नेता विजय का सरकार पर बड़ा हमला

तमिलनाडु में पुलिस हिरासत में मंदिर गार्ड की मौत का मामला गरमाया है. अभिनेता से नेता बने विजय सड़क पर उतर गए.

कहा- राज्य में कानून-व्यवस्था बेहद खराब है

एजेंसी

चेन्नईः तमिलनाडु में मंदिर गार्ड अजीत कुमार की पुलिस हिरासत में मौत को लेकर अभिनेता से नेता बने विजय ने सरकार पर बड़ा हमला किया. उनके नेतृत्व में विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया. इस मुद्दे को लेकर राज्य में सियासी बवाल मचा है. हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए हैं. वहीं, सरकार ने भी मामले को सीबीआई को सौंद दिया है.शिवगंगा जिले के थिरुप्पुवनम पुलिस स्टेशन में पुलिस द्वारा हमला किए जाने के बाद मंदिर गार्ड अजित कुमार की मृत्यु की घटना ने पूरे देश

को झकझोर कर रख दिया है. इसी सिलसिले में आज चेन्नई में तमिलनाडु विक्ट्री पार्टी के नेता विजय के नेतृत्व में एक विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान थिरुप्पुवनम पुलिस स्टेशन लॉकअप में हुई मौत की निंदा की गई और हत्या के लिए न्याय की मांग की गई. टीवीके नेता विजय ने मुख्यमंत्री स्टालिन से डीएमके शासन के दौरान पुलिस पूछताछ में मारे गए 24 लोगों के परिवारों से माफी मांगने का आग्रह किया है. विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता मृतक अजित कुमार के परिवार से व्यक्तिगत रूप से मिल रहे हैं और संवेदना व्यक्त कर रहे हैं. इसी सिलसिले में टीवीके नेता विजय ने अजित कुमार के घर गए और उनके परिवार को आर्थिक मदद की पेशकश की.विजय ने एक बैठक में कहा, 'थिरुप्पुवनम अजित कुमार एक साधारण परिवार का युवक है. मुख्यमंत्री स्टालिन ने पुलिस स्टेशन में उसकी मौत के लिए माफी मांगी. इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन उससे जुड़ी डीएमके सरकार में पुलिस स्टेशन में जांच के नाम पर 24 लोगों की हत्या कर दी गई. आपने उनके परिवार वालों से माफी क्यों नहीं मांगी? उनसे भी माफी मांगिए. आप सिर्फ माफी ही मांग सकते हैं. कम से कम इतना तो कीजिए.'विजय ने कहा, 'पिछली सरकार में जब पुलिस द्वारा मारे गए लोगों का मामला सीबीआई को सौंपा गया था